राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 306 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 30 अगस्त 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

ममता बोलीं- डॉक्टर्स के खिलाफएक शब्द नहीं बोला :उन्हें कभी नहीं धमकाया, उनका प्रोटेस्ट सही है; मुझ पर लगाए जा रहे आरोप गलत

कोलकाता। बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को कभी नहीं धमकाया। ममता ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को धमकाया है। ये सरासर झूठ है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता ने बंगाल के उन जूनियर डॉक्टर्स को धमकाया, जो 21 दिन से हड़ताल पर हैं। ये डॉक्टर्स आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के केस में न्याय की मांग कर रहे हैं। इन्होंने अस्पताल में काम के बेहतर माहौल और सुरक्षा पर भी कदम उठाने की मांग की है। डॉक्टर्स ने 10 अगस्त को हड़ताल शुरू की थी। 27 अगस्त को छात्रों ने नबन्ना मार्च निकाला था। इसमें पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस कार्रवाई के विरोध में 28 अगस्त को भाजपा ने बंगाल बंद बुलाया। इसमें भाजपा नेताओं पर फायरिंग हुई, बम फेंके गए और पत्थरबाजी हुई। ममता ने लिखा, मुझे पता लगा है कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया में मेरे खिलाफगलत खबरें चलाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री की घोषणा: ओलंपिक खेलों में छत्तीसगढ़ के पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी एक से तीन करोड़ रूपए की राशि

प्रदेश में तेजी से बढ़ रही खेल सुविधाएं : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

स्वर्ण पदक विजेता के लिए 3 करोड़, रजत पदक के लिए 2 करोड़, कांस्य पदक के लिए 1 करोड़ की घोषणा

मुख्यमंत्री के हाथो राज्य खेल अलंकरण समारोह में सम्मानित हुए 502 प्रतिभावान खिलाड़ी

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय खेल दिवस के पर ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को तीन करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दो करोड़ रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में विभिन्न खेल विधाओं के 502 प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और उन्हें 01 करोड़ 36 लाख रूपए वितरित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों को शॉल, श्रीफल भेंट कर भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान होने के बावजूद भी इस बात की पीड़ा है कि पिछले पांच सालों में राज्य में राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन नहीं हुआ। खिलाड़ियों की पीड़ा महसूस कर और राज्य खेल अलंकरण समारोह पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पहला अलंकरण समारोह इसी साल 14 मार्च को आयोजित किया गया। खेल दिवस के मौके पर आज पुनः खिलाड़ियों को खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है।

श्री साय ने कहा कि जशपुर तथा रायगढ़ में 105 करोड़ की लागत से इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के साथ ही नवा रायपुर में 62 करोड़ रूपए की लागत से मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम तथा सिंथेटिक फुटबॉल मैदान विथ रनिंग ट्रैक बनाया जा रहा हैं। राज्य बनने के बाद पहली बार आवासीय हॉकी अकादमी रायपुर में इसी साल के अगस्त महीने में प्रारंभ हुई है। सितम्बर महीने से बालिकाओं के लिए आवासीय फुटबाल अकादमी शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही एथलेटिक अकादमी, कबड्डी अकादमी तथा तीरंदाजी अकादमी का भी संचालन कर रहे हैं। रायपुर में लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान का ऑफ सेंटर भी शुरू किया जाएगा, जो खेलों के क्षेत्र में प्रदेश की बड़ी उपलब्धि होगी। आप सभी पूरी मेहनत के साथ अपनी खेल प्रतिभा को निखारने में जुटे रहे तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करें।

खेल प्रतिभाओं को निखारेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सेहरावत जैसे खिलाड़ियों ने पदक जीत कर भारत माता का यश बढ़ाया। छत्तीसगढ़ में भी खेल प्रतिभाओं को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आगामी दिनों में अच्छी अधोसंरचना तथा प्रशिक्षण के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को निखारेंगे ताकि हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी बढ़िया खेल कर अपनी प्रतिभा का झण्डा दुनिया में बुलन्द कर सकें।

छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने इस सम्मान के लिए बहुत संघर्ष किया है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा इस सम्मान का आयोजन रोक दिया गया था। हमारी सरकार द्वारा पुनः इस खेल अलंकरण सम्मान को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में खेल गतिविधि को बढ़ावा देने एवं खिलाड़ियों को हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री ने कहा कि केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खेलो इंडिया के नये परिसरों के संबंध में तथा खेल अधोसंरचना को बढ़ावा देने में सहमति व्यक्त की है। प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ में ''क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना'' आरंभ करने का निर्णय लिया गया है।

पैन कार्ड के लिए ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाण पत्र माना जाएगा वैध दस्तावेज

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी 'पहचान प्रमाण पत्र' को पैन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए वैध दस्तावेज माना जाएगा। जस्टिस सुधांशु धूलिया और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि भारत संघ ने सैद्धांतिक रूप से इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। केंद्र सरकार इसे लेकर नियमों में भी स्पष्टता लाने पर विचार कर रही है।

केंद्र ने सभी मांगों को स्वीकार किया-सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने कहा, 'याचिका के लंबित रहने के दौरान, हमने भारत संघ से जवाब मांगा, जो इस मामले में बहुत सहायक रहा है और मोटे तौर पर उन्होंने वर्तमान याचिका में उठाई गई सभी मांगों को स्वीकार कर लिया है। इसमें ये भी कहा गया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की धारा 6/7 के तहत जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किया जाने वाला प्रमाण पत्र स्वीकार्य होगा।' ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की धारा 6 और 7 पहचान प्रमाण पत्र और लिंग में परिवर्तन के मुद्दे से संबंधित हैं। दरअसल एक ट्रांसजेंडर ने साल 2018 में याचिका दायर की थी। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि उसके पैन को आधार से जोड़ने का प्रयास विफल हो गया है क्योंकि पैन कार्ड में आधार कार्ड के विपरीत कोई 'तीसरा लिंग' का विकल्प नहीं है। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता रेशमा प्रसाद ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि वह केंद्र को निर्देश दें कि वह पैन कार्ड पर तीसरे लिंग की अलग श्रेणी का विकल्प बनाएं, ताकि उनके जैसे ट्रांसजेंडर लोग इसे आधार से जोड़कर 'सटीक पहचान प्रमाण पत्र' प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि आधार प्रणाली में शीर्ष अदालत के फैसले के बाद तीसरे लिंग की श्रेणी को शामिल किया गया और उन्होंने आधार में ट्रांसजेंडर के रूप में पंजीकरण कराया।

अभिनेता एम. मुकेश को दुष्कर्म मामले में मिली राहत, कोर्ट ने कहा- भागने की कोई संभावना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय अदालत ने गुरुवार को दुष्कर्म के आरोपी अभिनेता-राजनेता एम मुकेश को गिरफ्तारी से राहत देते हुए पुलिस को तीन सितंबर तक उन्हें गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया। कोल्लम से सीपीआई विधायक एम मुकेश ने पहले ही दिन में अग्रिम जमानत की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था, जब केरल पुलिस ने 28 अगस्त को एक महिला अभिनेता के आरोप के बाद उनके खिलाफरेप का मामला दर्ज किया था। यहां के प्रधान सत्र न्यायालय ने मुकेश को अंतरिम राहत देते हुए कहा कि अभिनेता के कानून से भागने की संभावना कम है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, स्थिति को ध्यान में रखते हुए कि कानून के चंगुल से भागने की कोई संभावना नहीं है। आईओ (जांच अधिकारी) को निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ता को 3/9/24 तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। बुधवार रात कोच्चि शहर के मरदु पुलिस स्टेशन में मुकेश के खिलाफ आईपीसी 376 (बलात्कार) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। अपनी अग्रिम जमानत याचिका में अभिनेता ने दावा किया कि पीड़िता द्वारा उनके खिलाफदिया गया बयान गलत इरादे से दिया गया था।

शिवाजी प्रतिमा गिरने पर शिंदे-फडणवीस और पवार ने माफी मांगी:कहा- बड़ी मूर्ति बनवाएंगे; 26 अगस्त को तेज हवा से स्टैच्यू गिरा था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार (29 अगस्त) को सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की 8 महीने पुरानी प्रतिमा गिरने पर माफी मांगी। इसके साथ ही उन्होंने जल्द एक बड़ी मूर्ति बनवाने का भी ऐलान किया।

शिंदे ने कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराष्ट्र के देवता हैं। मैं उनके 100 बार पैर छूने और प्रतिमा गिरने के लिए माफी मांगने के लिए तैयार हूं। मैं माफी मांगने से पीछे नहीं हटूंगा। हमारी सरकार शिवाजी के आदर्शों को ध्यान में रखकर काम करती है।' इससे पहले डिप्टी सीएम अजित पवार ने भी महाराष्ट्र की जनता से माफी मांगी थी। अजित पवार की हृष्टक्क ने राज्य में मौन विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर अजित बोले कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी। शिवाजी महाराज की प्रतिमा 26 अगस्त को दोपहर 1 बजे गिरी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर, 2023 को नेवी डे पर इसका उद्घाटन किया था। पुलिस ने मामले में कॉन्ट्रेक्टर जयदीप आप्टे और स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट चेतन पाटिल के खिलाफस्नढ्ढक्र दर्ज की है।

इंडियन नेवी ने कहा था कि घटना के जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रतिमा गिरने के कारण का जल्द ही पता लगेगा। मूर्ति की मरम्मत और फिर से स्थापना के लिए एक टीम बनाई गई है। तस्वीर 4 दिसंबर 2023 की है, जब सीएम ने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का उद्घाटन किया था।

अडाणी फैमिली देश में सबसे अमीर, अंबानी को पीछे छोड़ा

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में वैल्थ 11.62 लाख करोड़, एक साल में संपत्ति 95 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके परिवार की कुल संपत्ति एक साल में 95 प्रतिशत बढ़कर 11.62 लाख करोड़ रुपए हो गई। अडाणी परिवार ने अपनी टोटल वेल्थ में पिछले एक साल में 5,65,503 करोड़ रुपए का इजाफा किया है।

अडाणी फैमिली ने अंबानी परिवार को पीछे छोड़कर देश की सबसे धनवान फैमिली बन गई है। अंबानी परिवार की संपत्ति 10.15 लाख करोड़ रुपए है। एक साल में इसमें 25त्न की बढ़ोतरी हुई है।

'हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024' के मुताबिक, 'हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद भी गौतम अडानी एंड फैमिली ने पिछले साल की तुलना में संपत्ति में 95 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की।'

॥ष्टरु के मालिक शिव नाडार एंड फैमिली 3.14 लाख करोड़ रुपए और सीरम इंस्टीट्यूट के मालिक साइरस एस. पूनावाला एंड फैमिली 2.90 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

लिस्ट में पहली बार शाहरुख-ऋतिक की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान 7,300 करोड़ रुपए वेल्थ के साथ पहली बार इस लिस्ट में शामिल हुए। शाहरुख की संपत्ति बढ़ोतरी आईपीएल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में उनके स्टेक से हुई है। शाहरुख रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के मालिक हैं, इसी कंपनी ने उनकी फिल्म डंकी, जवान और डार्लिंग्स को प्रोड्यूस किया। उनकी संपत्ति में बढ़ोतरी इन फिल्मों की सफलता के चलते भी हुई है। शाहरुख के अलावा इस लिस्ट में 4,600 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ जूही चावला, 2,000 करोड़ रुपए की वेल्थ के साथ ऋतिक रोशन, अमिताभ बच्चन और फैमिली का 1,600 करोड़ रुपए और करण जौहर 1,400 करोड़ रुपए भी शामिल हुए हैं।

नेताओं से पूछकर फैसला नहीं सुनाते-सुप्रीम कोर्ट

सियासी लड़ाई में कोर्ट को न घसीटें, तेलंगाना ष्टरू ने कहा था- कविता को बेल भाजपा-आरएसएस की डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2015 में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रेवंत रेड्डी को विधान परिषद चुनावों में टीडीपी उम्मीदवार को सपोर्ट के बदले 50 लाख की रिश्वत देते हुए गिरफ्तार किया था। कोर्ट उसी मामले की सुनवाई कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एक बयान पर उन्हें जमकर फटकार लगाई। दरअसल, दिल्ली शराब नीति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता को जमानत दे दी। रेवंत ने इसे बीआरएस और बीजेपी की डील बताया था।

इस पर जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने रेवंत रेड्डी के वकील मुकुल रोहतगी से पूछा- 'क्या आपने अखबार में पढ़ा कि उन्होंने (रेवंत) क्या कहा? उसे पढ़िए।' कोर्ट ने कहा- सियासी लड़ाई में कोर्ट को घसीटना ठीक नहीं है। कोर्ट नेताओं से पूछकर फैसले नहीं सुनाती। ऐसे बयान लोगों के मन में आशंका पैदा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट 2015 के कैश-फॉर-वोट घोटाले से जुड़े केस को भोपाल ट्रांसफर करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तेलंगाना ष्टरू रेवंत रेड्डी भी एक आरोपी हैं। याचिका बीआरएस विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी ने लगाई है।

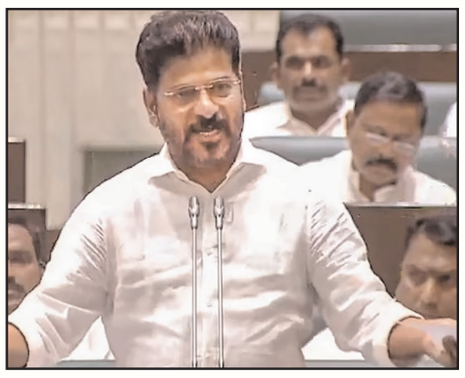

तेलंगाना सीएम ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा था कि तेलंगाना के पूर्व ष्टरू केसीआर की बेटी और एमएलसी के कविता को 5 महीने में जमानत मिलने पर संदेह है। मनीष सिसोदिया को 15 महीने बाद जमानत मिली। जबकि सीएम केजरीवाल को अभी तक जमानत नहीं मिली है।

रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए काम किया। ऐसी भी चर्चा है कि कविता को बीआरएस और भाजपा के बीच समझौते के कारण जमानत मिली है।

कविता की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहें अदालतें

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में 27 अगस्त को कविता को जमानत दी है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था- इस केस में जांच पूरी हो चुकी है। ट्रायल के जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है। के कविता, महिला हैं और क्करूरु के सेक्शन 45 के तहत उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसी कोर्ट में कई आदेशों में कहा गया है कि अंडर ट्रायल कस्टडी को सजा में नहीं बदलना चाहिए।

कैश फॉर वोट घोटाला क्या है

सुप्रीम कोर्ट की बेंच बीआरएस विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी की तरफसे लगाई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जगदीश ने मुकदमे को तेलंगाना से दूसरे राज्य में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा है कि वह मामले के लिए विशेष सरकारी वकील की नियुक्ति करेगा।

रेवंत रेड्डी को 31 मई 2015 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने विधान परिषद चुनावों में ञ्जष्ठक्क उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी का सपोर्ट करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को 50 लाख की रिश्वत देते हुए गिरफ्तार किया था। रेवंत, तब तेलुगु देशम पार्टी में थे।

जुलाई 2015 में एसीबी ने रेड्डी और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत चार्जशीट दायर की गई थी।

कोलकाता रेप विक्टिम के घर 3 कॉल किए गए थे: ऑडियो सामने आए; अस्पताल स्टाफ ने पिता से कहा- बेटी ने सुसाइड कर लिया, जल्दी आइए

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर नई जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक आरजी कर मेडिकल कॉलेज की तरफ से ट्रेनी डॉक्टर के पेरेंट्स को बताया गया था उनकी बेटी ने सुसाइड कर लिया है। 9 अगस्त की सुबह ट्रेनी डॉक्टर की लाश मिलने के बाद अस्पताल की असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ने उनके पेरेंट्स को आधे घंटे के अंदर तीन कॉल किए थे। विक्टिम के पेरेंट्स ने घटना के अगले दिन ही दावा किया था कि अस्पताल ने उनकी बेटी के मर्डर को सुसाइड बताने की कोशिश की थी।

तीनों फोन कॉल की डिटेल...

पहला कॉल (1 मिनट 46 सेकेंड तक चला)

एक महिला ने पेरेंट्स को कॉल कर कहा- मैं आरजी कर अस्पताल से बात कर रही हूं। क्या आप तुरंत अस्पताल आ सकते हैं?

पिता ने वजह पूछी। जवाब मिला- आपकी बेटी की हालत ठीक नहीं है। हम उसे अस्पताल में भर्ती करा रहे हैं। क्या आप तुरंत आ सकते हैं?

पिता ने जोर देकर पूछा- मेरी बेटी को क्या हुआ है?

स्टाफ मेंबर ने कहा- आप जब यहां आएंगे तो डॉक्टर्स आपको बताएंगे क्या हुआ है। आप परिवार है इसलिए हमने आपका नंबर ढूंढा और फोन किया। प्लीज आप जल्द से जल्द आ जाइए। आपकी बेटी को एडमिट कराया गया है।

विक्टिम की मां ने पूछा- क्या उसे बुखार आ गया है?

स्टाफ मेंबर ने कहा- आप बस जल्दी आ जाइए।

पिता ने पूछा- क्या उसकी हालत सीरियस है?

जवाब मिला- हां उसकी हालत बहुत सीरियस है। आप जल्दी आ जाइए।

दूसरा कॉल (46 सेकेंड तक चला)

5 मिनट बाद पेरेंट्स के पास दूसरा कॉल आया। उसी हॉस्पिटल स्टाफ मेंबर ने पहले से ज्यादा घबराई हुई आवाज में कहा- आपकी बेटी की हालत बहुत नाजुक है। प्लीज जितना जल्दी हो सके, आ जाइए।

पिता ने चिंतित होकर पूछा कि आखिर हुआ क्या है। उन्हें जवाब मिला- डॉक्टर्स आपको बता पाएंगे। आप जल्दी आ जाइए।

पिता ने पूछा- कौन बोल रहा है

स्टाफ मेंबर ने जवाब दिया- मैं असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट हूं, डॉक्टर नहीं हूं।

पिता ने पूछा- क्या कोई डॉक्टर मौजूद है जो मेरे सवालों का जवाब दे सके, लेकिन स्टाफ मेंबर ने कॉल कट कर दिया।

तीसरा कॉल (28 सेकेंड तक चला)

तीसरे और आखिरी कॉल में स्टाफमेंबर ने कहा- आपकी बेटी ने शायद सुसाइड कर लिया है या उसकी मौत हो गई है। पुलिस यहां आ चुकी है। हम अस्पताल में हैं, सभी के सामने आपको ये कॉल की जा रही है। जल्दी आ जाइए।

ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के खिलाफ10 अगस्त से बंगाल समेत पूरे देश के डॉक्टर्स ने हड़ताल शुरू कर दी थी। ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के खिलाफ10 अगस्त से बंगाल समेत पूरे देश के डॉक्टर्स ने हड़ताल शुरू कर दी थी।

संक्षिप्त समाचार

एक तबादला जो बन गया जन चर्चा का विषय

बिलासपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ चुका एक लीज भूमि के निरस्त होने का प्रकरण और उस पर स्थगन। क्या किसी अधिकारी के तबादले का कारण बन सकता है। यह चर्चा अब बिलासपुर से दिल्ली तक वाया नागपुर हो रही है। 28 तारीख की रात बिलासपुर कमिश्नर बैच 2005 का तबादला हो गया। वे कुछ ही दिनों पूर्व बिलासपुर पदस्थ हुए थे। कहा जाता था लूप लाइन में डाला है तभी एक ऐसा प्रकरण उनके न्यायालय पहुंच जो छत्तीसगढ़ की समूची राजनीति को प्रभावित करता दिखता है। मेरिट पर सुविधा का संतुल अपूर्णीय क्षति को देखते हुए और उनका उल्लेख करते हुए पीठासीन अधिकारी ने 27 अगस्त का तारीख देते हुए अंतरिम स्टे दिया। 27 तारीख की पेशी में सुनवाई पश्चात यह तिथि 10 सितंबर हो गई। 28 तारीख की रात तबादला हुआ नए सब 2007 के बैच वाले थे पड़ोसी जिले में चर्चित रेप कांड में फंसे थे कैट के आर्डर पर निलंबन समाप्त हुआ था। 2 घंटे में ही तबादला आदेश संशोधित हुआ अब बिलासपुर कमिश्नर की जिम्मेदारी रायपुर के कमिश्नर को अतिरिक्त परिवार के रूप में है। इसे बिलासपुर कमिश्नर कोर्ट को लूप लाइन में डालना कहें या राजधानी से संचालित करना कहें। इसके पहले भी कमिश्नर कोर्ट के साथ अजीब प्रयोग हुआ बिलासपुर के कलेक्टर को ही तबादला करके कमिश्नर बना दिया कलेक्टर साहब जब कोर्ट में बैठकर आदेश करते थे उनकी अपील कमिश्नर सुनता था। अपने ही आदेशों पर अपील न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन लगता है पर होता रहा ऐसा दो बार हुआ। अस्पताल की लीज निरस्त होने के बाद उसकी अपील ईसाई समाज के लिए विशेष मायने रखती है इसलिए जानकारों को लगता है कि 28 तारीख को हुए तबादले साधारण प्रशासनिक गतिविधि नहीं.....

भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ सरायपाली के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद

सरायपाली (समय दर्शन)। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद नगर के स्व राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह साइंस कॉलेज में भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ सरायपाली के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मिस्टर एंड मिसेज बेडेन पावेल के छायाचित्र में पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नंद ने कहा कि भारत स्काउट गाइड सेवा का एक माध्यम है जिसके द्वारा अनेकों मानवता के कार्य किए जाते है। संघ इन्हीं गतिविधियों को आगे बढ़ाने का काम करता है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ सरायपाली के नवनियुक्त अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, उपाध्यक्ष सीता पटेल, पार्षद सुरेश भोई समेत अन्य पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैंक ने किया वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

महासमुंद (समय दर्शन)। जिले के पिथौरा नगर के मुख्य मार्ग में स्थित इंसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के पिथौरा शाखा इकाई के द्वारा नगर के पेंशनर्स वरिष्ठ नागरिकों का पुष्प गुच्छ और श्री फल भेंट कर सम्मानित किया । बैंक के मैनेजर मनोज पटेल ने बताया बैंक के द्वारा समय समय पर इस तरह के विविध आयोजन किये जाते हैं । आज यह सम्मान समारोह आयोजित कर वरिष्ठ नागरिकों का मनोबल बढ़ाने हमारे द्वारा प्रयास किया गया साथ ही बैंक की सुविधाओं की जानकारी भी दी गई और बैंक में जमा राशियों पर अधिक ब्याज मिलने की बात कही । बैंक के ऑपरेशन मैनेजर भीष्म पटेल आस्था गुप्ता एवं अभिषेक साहू ने बैंक की सुविधाओं पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर पेंशनर्स मदनलाल बढाई अभिराम साहू सुभाषचंद्र विशाल डॉ एके पुर्नहत सेवकराम पटेल देशराज साहू आर.एस पांडे आर.सी मिश्रा डॉ एमएस कंवर श्रीमती विमलाबाई एवं रमेश श्रीवास्तव शामिल हुए । जिस दौरान बैंक स्टाफमयंक महांति रितिका पांडे आशित सहित अन्य बैंक कर्मी उपस्थित रहे ।

बारनवापारा अभ्यारण्य एवं सीमावर्ती वनक्षेत्रों में विवरण कर रहें बाघ एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं निगरानी के संबध में चरवाहा सम्मेलन का किया गया आयोजन

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। विगत 06 माह से जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत विचरण कर रहें बाघ के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु वनमंडल स्तरीय चरवाहों का एक दिवसीय सम्मेलन सह कार्यशाला बारनवापारा अभ्यारण्य में आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपवनमंडलाधिकारी कसडोल आई.एफएस अक्षय दिनकर भोसले के द्वारा पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बाघ के व्यवहार एवं अन्य गतिविधियों के बारे में बारीकी से विस्तृत जानकारी साझा किया गया। उनके द्वारा बाघ विचरण क्षेत्र में की जाने वाली गतिविधियों, ट्रैकिंग के संबंध में निर्धारित स्टैंड आपरेटिंग प्रोसीजर स्ह्क एवं विचरण क्षेत्र में विभिन्न वन्यप्राणियों के खान-पान और व्यवहार के बारे में विस्तार से चर्चा कर जानकारी दी गई। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार मयंक अग्रवाल के द्वारा विगत लगभग 06 माह से क्षेत्र में विचरण कर रहे बाघ के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा किया गया। मानिटरिंग हेतु वनमण्डल अंतर्गत 250 ट्रैप कैमरा के मदद से बाघ विचरण की सतत् निगरानी की जा रही है। बाघ की सुरक्षा हेतु विशेष स्थानीय ग्रामीणों की मद्द से बाघ निगरानी दल बनाया गया है। वनक्षेत्रों में किसी भी प्रकार से जनहानि, जनघायल, पशुहानि, फसल हानि, एवं अन्य सम्पत्ति की क्षति होने पर तत्काल सूचित करने तथा अवैध शिकार एवं वन्यप्राणियों की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करने हेतु कार्यशाला में उपस्थित चरवाहों तथा ग्रामीणों से अपील किया गया। इसके साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारावन्यप्राणियों के द्वारा किये गये जनहानि पर 6 लाख लाख रू. जनघालय के दौरान पूर्ण रूप से अपंगता होने पर 2 लाख रू.सामान्य जनघायल पर 5 लाख 91 हजार रूपये पशु हानि होने पर अधिकतम 30 हजार रू. तथा फसल, मकान एवं अन्य क्षति होने पर मुल्यांकन अनुसार क्षतिपूर्ति राशि शासन द्वारा प्रदान की जाने की जानकारी दिया। वनक्षेत्रों में अवैध शिकार, बिजली हुकिंग तथा अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी होने पर वन विभाग को प्राथमिकता से सूचित करने पर वन विभाग के द्वारा प्रदाय किये जाने वाली गोपनीय पुरूस्कार राशि से अवगत कराया गया। ग्रामीणों को वन विभाग से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या हो तो सुविधानुसार निकटम वनाधिकारी / जांच नाकों में सूचित करने हेतु अह्वान किया गया ताकि, त्वरित कार्यवाही कर समस्यों का निराकरण किया जा सके।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से प्रशिक्षु आई.एफएस. प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी विपुल अग्रवाल, अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य आनंद कुदरया सुनिल खोब्रागड़े परिक्षेत्र अधिकारी बारनवापारा,जीवन लाल साहू परिक्षेत्र अधिकारी कोठारी,पुष्पेन्द्र साहू परिक्षेत्र अधिकारी देवपुर,अनिल वर्मा परिक्षेत्र अधिकारी बल्दाकछार,सुनीत साहू परिक्षेत्र अधिकारी, सोनाखान एवं बारनवापारा अभ्यारण्य, देवपुर,सोनाखान,अर्जुनी, बल्दाकछार तथा वन विकास निगम के समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं वनमंडल के अंतर्गत चरवाहों की उपस्थिति रही।

वीडियों काल कर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी

5 लाख रुपए की ठगी करने वाला अन्तर्राज्जीय आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

आरोपियों के द्वारा आपत्ति जनक वीडियो कॉल कर ठगी को देते थे अंजाम

बसना (समय दर्शन)। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 20.8.2024 को प्रार्थी द्वारा चौकी भंवरपुर थाना बसना जिला महासमुंद में मोबाइल धारको मलकीत सिंह तथा उनके अन्य साथियों द्वारा वीडियो कॉल कर अश्लील वीडियो बनाकर वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर रूपयो के मांग करने तथा कुल 5,02,100 रुपए की ठगी होने की प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध धारा 308(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना दौरान तकनीकी सहायता से मलकीत सिंह पिता भजन सिंह उम्र 27 वर्ष ग्राम आलम के थाना सदर जलालाबाद जिला फाजिल्का पंजाब से पूछताछ करने पर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपराध करना स्वीकार किया है, जिस पर माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कराया गया। जिला पुलिस महासमुंद सभी से अपील करती है कि अज्ञात नम्बरों से विडियों कॉल आने पर सावधानी बरते, इस प्रकार की ठगी से बचे।किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर नजदीकी थाना एवं सायबर टोल फ्री नम्बर 1930 पर शिकायत दर्ज कराए ।

सड़क पर अतिक्रमण, ठेले-गुमटी को जेसीबी से हटाया,दोबरा सड़क क्षेत्र में गुमटी लगाने पर दी जब्त की चेतावनी

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग क्षेत्र में होने वाले अवैध कब्जे पर निगम टीम निगरानी करते हुए उनके विरुद्ध लगातार कार्रवाही कर रही है,नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने गुरुवार की शाम को नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड क. 15. धमधा नाका रोड, सिकोला, दुर्ग में कब्जाधारी चमन वर्मा,पिता प्रकाश वर्मा द्वारा सड़क क्षेत्र में गुमटी लगाकर व्यवसाय करते हुए अतिक्रमण कर कब्जा किया गया था,जिससे सड़क क्षेत्र एवं आवाजाही बाधित हो रही है।अनावेदक द्वारा काबिज भूमि के आबंटन के संबंध में न्यायालय तहसीलदार दुर्ग का आदेश दिनांक 22.दिसम्बर.23 राप्रके अ-74/21-22 के तहत भूमि आबंटन की मांग को खारिज किया जा चुका है।जिसको आज नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर भवन निरीक्षण विनोद मांझी,भवन,निरीक्षक करण यादव के नेतृत्व में निगम अतिक्रमण अमला एवं मोहन नगर पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क क्षेत्र में गुमटी लगाकर आवाजाही बाधित को कब्जा को हटाकर कब्जा मुक्त किया।शहर क्षेत्र में सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान लगातार चलाया जाएगा।

सीएमएचओ डॉ निराला ने स्कूल में कृमिनाशक गोली खिलाकर अभियान का किया शुभारंभ

छूटे हुए व्यक्तियों को 4 सितंबर को खिलाई जायेगी कृमिनाशक गोली

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देश पर जिले में चलने वाली राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ भटगांव के सागर हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफआर निराला द्वारा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया । इस कार्यक्रम में शाला के बच्चों में एलबेंडाजोल गोली सेवन के प्रति भारी उत्साह देखी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमएचओ ने स्कूली बच्चों को अनिवार्य रूप से कृमि नाशक गोली खाने की सलाह दी। शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बिना लापरवाही के जिम्मेदारीपूर्वक सही मात्रा एवं सही विधि से बच्चों को गोली सेवन कराने तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को इस कार्यक्रम का प्रभावी मॉनिटरिंग करने एवं सभी बच्चों को दवा सेवन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि हमारे वातावरण और रहन-सहन का तरीका ही ऐसा है कि लोगों में कृमि का संक्रमण होता ही है। साथ ही मानव शरीर को पारिस्थितिकी ऐसी है कि स्वास्थ्य के प्रत्येक पहलू एक-दूसरे से संबद्ध है। ऐसे में कृमिनाशक गोली का सेवन नहीं करने से लंबे समय तक कृमि संक्रमण के गंभीर परिणाम होते है। कृमि मुख्यत: मानव आंत को छेद कर आंतरिक रक्तस्राव कराते है, पोषक तत्वों के शोषण में बाधक होते हैं, जिससे कुपोषण, रक्ताल्पता तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा होती है। भविष्य में इनकी गर्भावस्था में ये और भी जटिल हो जाते हैं। अस्वस्थता के इस कड़ी को तोड़ने के लिए साल में दो बार कृमि नाशक गोली का सेवन आवश्यक है। कृमि मुक्ति दिवस को जिले के समस्त स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 से 19 वर्ष बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। किसी कारण वश जिन बच्चों को 29 अगस्त के दिन एलबेंडाजोल की गोली नही खिलाई जा सकी है, उन्हें मॉप अप राउंड 4 सितंबर को एल्बेंडाजोल की गोली अवश्य खिलाएं। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार, ज़िला नोडल डॉ नरेंद्र रात्रे स्कूल प्राचार्य, शिक्षकों सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सिंगलयूज प्लास्टिक, फल, जूस एवं सड़े गले खादय पदार्थ विक्रय करने वाले दुकानदारों पर 12800 रूपये का चालानी कार्यवाही

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक रखने वाले, फ्ल विक्रेताओ एवं होटल संचालकों दुकानदारो पर निगम की टीम ने की कार्यवाही। निगम क्षेत्र के वार्ड क्रं. 10 एवं 17 में जोन 01 की टीम द्वारा दुकानो का निरीक्षण करने पहुंची। वहां पर फ्ल ठेला, मिठाई खादय पदार्थ बेचने वालो दुकानो पर जॉच किया गया। दुकानदारो द्वारा नगर निगम की टीम को देखते ही अपनी झिल्ली, पन्नी को छिपाने लगते है और इधर-उधर फेंक देते है। पूछने पे कहते है कि यह आखरी है, अब नहीं रखूगॉ। निगम की टीम जाते ही फिर से झिल्ली में रखके बेचने लगते है। जॉच में सिगल यूज प्लास्टिक रखने वाले दुकानदारो पर कार्यवाही करते हुए, सड़े गले फ्ल विक्रेता एवं बासी खादय पदार्थ विक्रेताओ से 12800 रूपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर सभी जोन क्षेत्र में सिंगलयूज प्लास्टिक विक्रताओ पर कार्यवाही की जा रही है।

महापौर नीरज पाल ने सभी विक्रेताओ से अपील की है कि सिंगलयूज प्लास्टिक का उपयोग मत करें। सिंगलयूज प्लास्टिक पर्यावरण एवं जानवरो को काफी नुक्सान पहुंचता है। हमारी नालियो को जाम कर देता है, जिससे पानी अवरूद्ध हो जाने से मच्छर पनपते है और बिमारियो को बढ़ावा मिलता है। साथ ही आम नगारिको से भी निवेदन किये है, सामग्री लेते समय अपने घरो से झोला या थैला लेकर निकले। अक्सर देखने में आता है, सिंगलयूज प्लास्टिक में गरम गरम सामग्री, चाय इत्यादि लोग पैक कराके ले जाते है। अपने घरो में स्वयं या अपने परिवार के साथ खाते है। वैज्ञानिको के अनुसार सिंगलयूज प्लास्टिक में खादय पदार्थ रखने से प्लास्टिक के कण सामग्री में मिल जाते है जिससे कैंसर एवं अन्य प्रकार के गंभीर बिमारियो को बढ़ावा मिलता है। उपयोग से बचे, सब के सहयोग से ही हम सब अपने स्वास्थ्य को एवं नगर निगम को स्वच्छ साफ-सुथरा रख सकते है।

कार्यवाही के दौरान जोन के स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, प्रभारी लिपिक संतोष हरमुख, सहायक राजस्व निरीक्षक शशांक सिंह अपने दल के साथ उपस्थित रहे।

अघरिया भवन निर्माण खैरझिटी - सालर का भूमिपूजन सम्पन्न

सारंगढ़ (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय के ग्राम पंचायत सालर के निकट स्थित खैरझिटी आश्रम के पास अघरिया भवन निर्माण खैरझिटी - सालर हेतु हरिराम पटेल और सीताराम पटेल द्वारा 14 और 16 डिसमिल भू - दान की गई है। विगत दिनों अघरिया भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओपी चौधरी, वित्त एवं वाणिज्य मंत्री छग शासन, सर्व विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक डॉ. जवाहर नायक, पूर्व विधायक त्रिलोचन नायक, पूर्व विधायक प्रकाश नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष रायगढ़ निराकार पटेल उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय अघरिया समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष डॉ. भुवनेश्वर पटेल ने किया । कार्यक्रम का शुभारम्भ समाज के उदयमान नवयुवकों द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ लगभग 500 मोटरसाइकिल संग अनेक कार रैली निकाला गया, जो अघरिया भवन सारंगढ़ से प्रारम्भ होकर प्रस्तावित अघरिया भवन खैरझिटी - सालर तक चलायमान रहा । इस बीच समाज के सुप्रसिद्ध गायक निराकार पटेल संग उनके आर्केस्ट्रा पार्टी के साथ नृत्यांगनाओं द्वारा गायन, वादन और नृत्यकला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ0 गेसमोती पटेल ने समाज के महिलाओं की पर्याप्त उपस्थिति पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही ऐसे अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में भी आगे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया । रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रकाश नायक ने कहा कि हमारा समाज राजनीति, कृषि, वाणिज्य, अभियांत्रिक, चिकित्सा, शिक्षा आदि लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है । हमारे समाज का भविष्य उज्वल है । मुझे गर्व है कि मैं अघरिया जाति से सम्बन्ध रखता हूँ।

वित्त मंत्री ओमप्रकाश चौधरी के शुभागमन पर बड़े जोरदार करतल ध्वनि के साथ उनका स्वागत - सत्कार किया गया । सर्वप्रथम उन्होंने समाज के इष्टदेव भगवान श्रीकृष्णजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया । उपरान्त भूमि पूजन कर नींव की खुदाई की उदुपरान्त आँवला वृक्ष का रोपण किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है। हमारे राष्ट्र की उन्नति मूलत: कृषि पर ही आधारित है । बड़े हर्ष की बात है कि हमारे समाज का भी मूलत: पैतृक उद्यम कृषि ही है । उन्होंने इस विषयान्तर्गत अपनी असफलता से निराश न होकर आगे बढ़ते हुए नई दिशा की ओर अग्रसर होने हेतु प्रेरित किया । उन्होंने धान, दलहन आदि विभिन्न फसलों के विपुल उत्पादन की ओर समाज का ध्यान आकर्षित किया । उन्होंने अपने द्वारा किये जा रहे कृषि के क्षेत्र में नये - नये प्रयोगों में सफलता अर्जित करने के सम्बन्ध में विस्तार से अवगत कराया। आयोजन को व्यापक रूप से सफल बनाने में नवयुवक दल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेषकर सर्वश्री मोती पटेल, चिन्तामणि पटेल, कृष्ण कन्हैया पटेल, अर्जुन पटेल, निराकार - मुन्ना पटेल, मयंक पटेल, श्रवण पटेल, विजय विक्की पटेल, निलेश पटेल, धर्मेन्द्र पटेल, जीतेश पटेल, सुमन पटेल, प्रतीक पटेल, भूपेन्द्र पटेल, अंकित पटेल, डिलेश्वर पटेल, राहुल पटेल, नीतेश पटेल, निर्मल पटेल, त्रिलोक पटेल, हीरालाल पटेल, महेन्द्र पटेल, पुरषोत्तम पटेल, ताराचन्द्र पटेल, बलभद्र पटेल, क्षीरसागर पटेल आदि । कार्यक्रम में सर्वश्री योगेन्द्र पटेल, शत्रुघन लाल पटेल, खेमराज पटेल, कुलदीप पटेल, सीताराम पटेल, दयानिधि पटेल, गौतमसिंह पटेल, गिरिजा पटेल, टीकाराम पटेल, संतराम पटेल, घनश्याम पटेल, श्याम पटेल, मोहन पटेल, कमल पटेल, श्रीमती भारती पटेल आदि हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे । अन्त में अखिल भारतीय अघरिया समाज, सारंगढ़ क्षेत्र के अध्यक्ष श्यामकुमार पटेल ने उपस्थित समस्त सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया ।

सार समाचार

महापौर समेत सैकड़ों लोगों पर अपराध दर्ज

रायपुर(समय दर्शन)। पाटन विधायक भूपेश बघेल के समर्थकों द्वारा थाना घेराव के दौरान हुए बवाल के मामले में पुलिस ने ग़ैर ज़मानती धाराओं के तहत सौ से अधिक लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों की माने तो प्रमुख आरोपियों में महापौर निर्मल कोसरे, मनोज मढरिया और सुजीत बघेल का नाम शामिल किया गया है। पुलिस के अनुसार इन सभी लोगों के खिलाफ उग्र होकर अचानक थाने का घेराव करने, पुलिसबल से झूमाझटकी करने, झंडे पर लगी लकड़ी से बल से प्रहार करते हुए थाने के भीतर घुसने की कोशिश करने का आरोप है। प्रदर्शनकारियों के अपराधिक बल प्रयोग से पुलिस बल के तीन जवानों को चोट आई है। इस के साथ साथ बल संसाधित सामग्री भी क्षतिग्रस्त हुई है।

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य विभाग सकते में

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह अब राजधानी में भी स्वाइन फ्लू मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार को स्वाइन फ्लू के 16 संदिग्ध मरीज मिले हैं। उनके स्वाब का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। अब तक रायपुर में 1 पॉजिटिव मरीज मिला है। राज्य में 19 केस दर्ज किए गए हैं। इस बीच मरीजों की बढ़ती संख्या देखकर अंबेडकर अस्पताल के पेइंग वार्ड को आइसोलेशन कर उसे स्वाइन फ्लू पीड़ितों के लिए रिजर्व कर दिया गया है। एक मरीज अभी भर्ती है। अस्पताल प्रशासन ने मेडिसिन और टीबी एंड चेस्ट विभाग को अलर्ट कर दिया है। फिलहाल सभी संदिग्ध मरीज टीबी एंड चेस्ट विभाग ही ट्रांसफर किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के महामारी नियंत्रण विंग के अफसरों के अनुसार अभी तक रायपुर में केवल एक ही मरीज के स्वाब में स्वाइन फ्लू के वायरस मिले हैं।

चलती मालगाड़ी दो भागों में बंटा

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर में चलती मालगाड़ी 2 भागों में बंट गई। जानकारी के अनुसार चलते इंजन से डिब्बे अलग हो गए। आनन फानन में अधिकारियों की टीम पहुंची है। मरम्मत के बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया। बता दें कि यह घटना मोहबा बाजार के पास हुई है। कुछ दिन पहले इसी रुट पर यात्री ट्रेन हादसे का शिकार हुआ था। जिसमें एक यात्री की मौत हुई थी। लोहे का खंभा ट्रेन की खड़की में जा गिरी थी। दर्जनभर यात्री घायल हुए थे। रेलवे इस घटना के लिए बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया था।

0 विभिन्न 5 स्थानों में प्रस्तावित फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेषन स्थापना का कार्य शीघ्र करने के निर्देष दिये

आयुक्त ने आउटडोर स्टेडियम परिसर में फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेशन स्थापना कार्य का निरीक्षण किया

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन की लोकहितैषी मंषा के अनुसार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री और नगरीय प्रषासन एवं विकास मंत्री श्री अरूण साव के मार्गदर्षन में राजधानी शहर रायपुर में आज रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देष पर में शहर में भिन्न 5 स्थानों पर नगर पालिक निगम रायपुर एवं इंडियन ऑयल कार्पोरेषन लिमिटेड द्वारा सहभागिता से प्रथम चरण में फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेषन विद्युत मंत्रालय द्वारा दिनांक 14 जनवरी 2022 को जारी गाईड लाईन के अनुसार शीघ्र लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा ने आउटडोर स्टेडियम में प्रगतिरत फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेषन की स्थापना की प्रगति का वहां पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण निगम के प्रभारी अधीक्षण अभियंता श्री इमरान खान, जोन 4 जोन कमिष्नर श्री अरूण ध्रुव, इंडियन आयॅल कार्पोरेषन लिमिटेड के श्री मार्ग पूरी तरह प्रषस्त हो गया है। रायपुर जिला कलेक्टर की उपस्थिति में नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा एवं इंडियन ऑयल कार्पोरेषन लिमिटेड के श्री सौरभ प्रियदर्षन की उपस्थिति में किया। राजधानी शहर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम परिसर, गॉधी उद्यान, पुराना स्मार्ट सिटी लिमिटेड कार्यालय परिसर, आउटडोर स्टेडियम परिसर, अनुपम गार्डन (महावीर पार्क) , सेन्ट्रल लाईब्रेरी के सामने और जवाहर बाजार पार्किंग में फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेषन शीघ्र लगाने का कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि चार्जिंग स्टेषन की स्थापना हेतु भूमि रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा उपलब्ध करवायी जायेगी तथा चार्जिंग स्टेषन की स्थापना पर होने वाला समस्त व्यय (आपरेषन मेंटेनेंस सहित) इंडियन ऑयल कार्पोरेषन लिमिटेड द्वारा वहन किया जायेगा। इसके साथ ही इंडियन ऑयल कार्पोरेषन लिमिटेड द्वारा चार्जिंग से प्राप्त आय का 10 प्रतिषत रायपुर नगर पालिक निगम के साथ शेयर किया जायेगा।

पिस्टल व देशी कट्टा के साथ थाना उरला का हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी की देवेन्द्र नगर थाना पुलिस ने थानाक्षेत्र में पिस्टल व देशी कट्टा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से पिस्टल व देशी कट्टा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी थाना उरला का हिस्ट्रीशीटर जिसके विरूद्ध रायपुर, मुंगेली एवं बिलासपुर के अलग – अलग थानों में 02 दर्जन से अधिक अपराध पंजीबद्ध है। मिली जानकारी के अनुसार 27 अगस्त को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि देवेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत फ ाफ ाडीह शराब दुकान के पीछे स्थित मैदान पास एक व्यक्ति अपने पास पिस्टल एवं देशी कट्टा रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी देवेन्द्र नगर को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को पिस्टल एवं देशी कट्टा के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया। जिस पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट एवं थाना देवेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति की पहचान थाना उरला के हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद आमीर निवासी उरला रायपुर के रूप में किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके पास 01 नग पिस्टल तथा 01 नग देशी कट्टा रखा होना पाया। पिस्टल एवं देशी कट्टा रखने के संबंध में मोहम्मद आमीर से वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह किया जा रहा था। जिस पर आरोपी मोहम्मद आमीर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग पिस्टल एवं 01 नग देशी कट्टा जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना देवेन्द्र नगर में धारा 25 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा पिस्टल व कट्टा को उत्तर-प्रदेश के हमीरपुर से लाना बताया गया है। बता दें कि आरोपी मोहम्मद आमीर थाना उरला का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके विरूद्ध थाना माना, मौदहापारा, खमतराई, उरला, गंज, कोतवाली, गुढ़ियारी, टिकरापारा सहित जिला बिलासपुर एवं मुंगेली के अलग – अलग थाना में मारपीट, बलवा, लूट, डकैती, चोरी, धोखाधड़ी, 327 भादवि. सहित अन्य मामलों के दो दर्जन से अधिक अपराध पंजीबद्ध है।

कैपिटल ऑफ क्राइम बन गया है रायपुर: दीपक बैज

भाजपा सरकार नागरिकों को सुरक्षा दे पाने में विफल

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं के बावजूद भी सरकार की नींद नहीं टूट रही है। प्रदेश में रोज आपराधिक घटनायें बढ़ते जा रही है। बलात्कार, लूट, चाकूबाजी, चैनस्नेचिंग, गुंडागर्दी की खबरों से अखबार भरा पड़ा है। गैंगवार हो रहे हैं, सरेआम चाकुओं से गोदकर हत्यायें हो रही है। नशे का कारोबार 8 माह में पूरे प्रदेश में फैल गया है, स्वयं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राज्य में गांजा की खपत पर चिंता जाहिर कर चुके है। भाजपाई दृष्टिदोष का शिकार हो गये है। उन्हें आम आदमी की परेशानी दिखाई नहीं पड़ रही है। सत्ता के मद में भाजपाई जनसरोकारों को भूल बैठे है। दीपक बैज ने कहा कि रायपुर कैपिटल ऑफ क्राइम बन गया है। राजधानी में सड़क पर भी महिलायें सुरक्षित नहीं है। ऐसा कोई दिन नहीं है जब हत्या, लूट, चाकूबाजी की घटना नहीं होती है। रायपुर तो चाकूपुर बन गया है। कल ही एक युवक को बदमाशों ने मरणासन्न होते तक पीटा, वहीं एक अन्य युवक की हत्या कर दी गयी। प्रदेश का ऐसा कोई शहर नहीं है जहां रोज खूनी वारदात नहीं होती हो। पुलिस अपना मूलकाम अपराधों पर अंकुश लगाने के बजाय सरकार की चाटुकारिता में लगी है। भाजपा राज में पुलिस अपना मूल कार्य अपराधों पर नियंत्रण करना छोड़ राजनैतिक षड़यंत्र करने में व्यस्त है। सत्तारूढ़ दल के संरक्षण में अपराधी बेलगाम हो गये है। उन्होंने कहा कि 8 महीने की साय सरकार में प्रदेश में कानून व्यवस्था खस्ताहाल हो गई है, 8 माह में ही राजधानी में गोलीबारी की 4 घटना हुई है। अंतर्राज्यीय गैंगस्टर राज्य में पैर पसार रहे है, सरकार है की मूकदर्शक बनी हुई है। 8 माह में राज्य में हत्या की 600 से अधिक बलात्कार तथा छेड़छाड़ की 3094 घटनायें, अपहरण 251, हत्या के प्रयास 700 घटनायें हुई है। राजधानी में 4 गोलीबारी की घटना हो गयी। 2018 के पहले भी भाजपा की रमन सरकार में पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं में अराजकता का माहौल था। अवैध कारोबार, भू-माफिया, रेत माफिया, गांजा तस्कर, ड्रग्स तस्कर, मानव तस्करों का बोलबाला था। आज फिर वही स्थिति निर्मित हो गई है। कांग्रेस सरकार में जो मजबूत कानून व्यवस्था था उसे 8 महीने में ही साय सरकार ने पलीता लगा दिया है।

संविधान का उल्लंघन करने वाले हमें न सिखाएं : देवलाल ठाकुर

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखी गई चिट्ठी पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने भूपेश बघेल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बघेल स्वयं कई बार संवैधानिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन कर चुके हैं, इसलिए उन्हें संविधान, लोकतंत्र, और कानून व्यवस्था पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि भूपेश बघेल ने अतीत में कई मौकों पर लोकतंत्र और कानून का मजाक बनाया है और कानूनी प्रक्रियाओं में बाधा उत्पन्न की है। उन्होंने कहा, बघेल का आरोपियों का समर्थन करना और उनके पक्ष में भीड़ के साथ खड़े होना कहां संविधान में लिखा है? उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और भूपेश बघेल संविधान और लोकतंत्र की बात तो करते हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान नहीं करते। ठाकुर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की तारीफ करते हुए कहा कि उनका राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव बेहद व्यापक है। उन्होंने कहा, साय जी ने संगठन, मंत्री, विधायक, सांसद और अब मुख्यमंत्री के रूप में दशकों तक सेवा की है। उनका कद बहुत बड़ा है और उन्हें उन लोगों से सीखने की जरूरत नहीं है, जो खुद असंवैधानिक कृत्यों में लिप्त हैं। ठाकुर ने कहा कि विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में कानून को पूरी छूट है और यह किसी भेदभाव या दबाव में नहीं आएगा। उन्होंने भूपेश बघेल को सलाह दी कि वे कानूनी प्रक्रियाओं में बाधा डालकर अपनी राजनीतिक लाभ की कोशिश न करें।

उज्जवल भविष्य का मार्ग: बस्तर में लिंग अंतराल को दूर करने और आदिवासी युवतियों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम

रायपुर। आदिवासी इलाकों और प्राचीन जंगलों के लिए विख्यात बस्तर के हरे-भरे किंतु उबड़-खाबड़ इलाकों में एक मूक क्रान्ति पनप रही है। जहां आदिवासी युवतियां संघर्ष के बीच अपना नया भाग्य लिख रही हैं। 2011-12 में यहां एनएमडीसी बालिका शिक्षा योजना स्कॉलरशिप प्रोग्राम की शुरूआत हुई, जिसने वंचित समुदायों की बालिकाओं को सशक्त बनाकर उन्हें अपनी सफलता की कहानी लिखने में सक्षम बनाया है। बस्तर में स्वास्थ्यसेवा पेशेवरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी की बालिका शिक्षा योजना ने क्षेत्र की आदिवासी युवतियों को नर्सों में बदलने में मुख्य भूमिका निभाई है। इस पहल के लिए एनएमडीसी ने हैदराबाद के अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में बी.एससी. (नर्सिंग) और जीएनएम कोर्सेज़ उपलब्ध कराने के लिए अपोलो हॉस्पिटल्स के साथ साझेदारी की। इस कोर्सेज़ के द्वारा आदिवासी युवतियों को नर्सिंग में ज़रूरी कौशल प्रदान किया जाता है ताकि वे आत्मविश्वास के साथ स्वास्थ्यसेवा सेक्टर में अपनी भूमिका निभाते हुए समुदायों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकें। 25 छात्राओं के समूह से शुरू हुआ यह प्रोग्राम अब सालाना 40 छात्राओं को समर्थन देता है, लगातार बढ़ते ये आंकड़े प्रोग्राम के विकास एवं समाज में बदलाव लाने की प्रतिबद्धता को इंगित करते हैं।

महिला कांग्रेस की सदस्यों ने भोपाल में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और बलात्कार के मामलों में न्याय और कार्रवाई की मांग को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया.

एचडीएफसी बैंक ने 'ऑल-इन-वन पीओएस' लॉन्च करके मर्चेंट ऑफरिंग को मजबूत किया

रायपुर। भारत के अग्रणी मर्चेंट एक्वायरिंग बैंक एचडीएफसी बैंक ने एमएसएमई के लिए साउंडबॉक्स फीचर से लैस एक पेमेंट डिवाइस ऑल-इन-वन पीओएस पेश किया है। यह डिवाइस देश भर के मर्चेंट के लिए बिजनेस ऑपरेशन को बेहतर बनाएगी। ऑल-इन-वन पीओएस डिवाइस एक कॉम्पैक्ट पेमेंट डिवाइस है जो पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस), क्यूआर कोड स्कैनर और साउंडबॉक्स को एकीकृत करता है, जिससे कैशियर स्पेस में अव्यवस्था नहीं होती। यह कार्ड डिप, टैप एंड पे और क्यूआर स्कैन सहित हर तरह के पेमेंट को सपोर्ट करके पेमेंट स्वीकार करना आसान बनाता है, ये सभी एक कॉम्पैक्ट डिवाइस से। यह डिवाइस पेमेंट की तुरंत वॉयस नोटिफिकेशन भी देता है, जिससे मर्चेंट और कस्टमर दोनों को भरोसा मिलता है। यह बैंक के स्मार्टहब व्यापार मर्चेंट ऐप से आसानी से जुड़ जाता है, जिससे मर्चेंट को अपने बैंक अकाउंट स्टेटमेंट के साथ आसानी से मिलान करने के लिए सभी ट्रांजैक्शन का एक ही व्यू मिलता है। यह डिवाइस डिजिटल भुगतान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो तेजी से बढ़ती नकदी रहित अर्थव्यवस्था में व्यापारियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करती है। ऑफ़लाइन व्यापारियों के लिए यूपीआई (क्छ) और कार्ड भुगतान के पसंदीदा तरीके बन गए हैं।

गांवों में शिविर के माध्यम से हो रहा समस्या का त्वरित निराकरण: टंकराम वर्मा

सांकरा गांव में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए राजस्व मंत्री

रायपुर(समय दर्शन)। तिल्दा ब्लॉक के सांकरा गांव में बुधवार को जनसमस्या निवारण शिविर में राजस्व एवं खेलकूद मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप सरकार की पहुंच गांव-गांव तक होने लगी है और लोगों की समस्या का निराकरण कर राहत पहुंचाई जा रही है। मंत्री वर्मा ने कहा कि शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्याओं को दर्ज कर गंभीरता के साथ त्वरित निराकृत किया जा रहा है, जो समस्या त्वरित निराकृत नहीं हुए हैं, उसे जल्द ही समय-सीमा के भीतर निराकृत किया जाएगा। मंत्री वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में गांवों का विकास कर रही हैं। मोदी गारंटी को बहुत ही कम समय में मुख्यमंत्री साय ने पूरा किया है। मंत्री वर्मा ने नामांकन, बंटाकन के कार्य को जल्द से जल्द निदान करने के निर्देश दिए गए है। बिना कोई विवाद वाले प्रकरण को तीन माह की अवधि में निराकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि तिल्दा में मल्टीपरपस हॉल बनकर तैयार हो रहा हैं। जहां आसपास के ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा उभरकर आएगी और बच्चे गांव एवं जिले का नाम रौशन करेंगे। मंत्री वर्मा ने अवैध प्लाटिंग, अतिक्रमण के प्रकरणों पर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नल जल योजना के तहत हितग्राहियों के घर में पेयजल पहुंचाया जाएं। साथ ही जर्जर स्कूलों की मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा ने कहा कि दूर-दराज से आए लोगों की समस्या का निराकरण शिविर के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन की सरहाना की। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री साय की मंशा अनुरूप गांव में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। जिन प्रकरणों का निराकरण नहीं हुआ है, उसे समय-सीमा के भीतर किया जाएगा। आम लोगों की समस्या का निराकरण करने के लिए कलेक्ट्रेट में अब सप्ताह में पांच दिन जनदर्शन के माध्यम से समस्याओं को सुनी जाती है और एक माह पूर्व कॉल सेंटर की स्थापना की गई है। जहां जिले के कोई भी नागरिक अपनी समस्या 24 घंटे कॉल कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते है। उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया जाता है। मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप जनता की समस्या को सुगमता के साथ निराकरण करने के लिए जिला प्रशासन दृढ़संकल्पित है। जन समस्या निवारण शिविर में 154 आवेदनों का निराकरण किया गया। शिविर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, कलेक्टर गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह व जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने भूमिया गांव के छन्नूलाल यदु, धनीराम साहू, आकाश अग्रवाल, डोमार यदु, कार्तिक राम ध्रुव को राज्य डेयरी उद्यमिता योजना के तहत चेक का वितरण किया गया। इससे हितग्राहियों को अपने व्यवसाय को शुरू करने में मदद मिलेगी। सांकरा निवासी संजना वर्मा, भूमिया गांव के निवासी जितेंद्र यदु, सांकरा गांव के विक्की वानखेडे को ट्राइसाकिल का वितरण किया गया। इससे उनके आवाजाही सुगम होगी। इस अवसर पर एसडीएम आशुतोष देवांगन, जनपद सीईओ विवेक गोस्वामी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

ढोल बजाना जोखिम मोल लेना

साल 1990 के बाद से सिर्फ 34 मध्य आय वाले देश ही उच्च-आय वाले देशों की श्रेणी में शामिल हो सके। बाकी मिडल इनकम ट्रैप में फंस कर रह गए। विश्व बैंक के मुताबिक भारत को इस तजुर्बे से सीख लेनी चाहिए। विश्व बैंक ने भारत को माकूल चेतावनी दी है। कहा है कि 100 से अधिक देशों को उच्च-आय वाला देश बनने की राह में गंभीर बाधाओं से रू-ब-रू होना पड़ सकता है। इनमें भारत भी है। बैंक ने ऐसे देशों को %मध्यम-आय के जाल' से बचने की सलाह दी है। वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2024ः द मिडल इनकम ट्रैप में कहा गया है कि जब देश अमीर होते हैं, तो एक हद पर आकर उनकी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि ठहर जाती है। ऐसा कुछ ठोस वजहों और कुछ नीतिगत अस्थिरता के कारण होता है। बैंक ने ध्यान दिलाया है कि 1990 के बाद से केवल 34 मध्य आय वाले देश ही उच्च-आय वाले देशों की श्रेणी में जा सके। इनमें से एक तिहाई से अधिक देश वे हैं, जो यूरोपीय संघ में शामिल हुए या फिर वे देश हैं, जहां तेल के भंडार मिले। विश्व बैंक के मुताबिक भारत को इस तजुर्बे से सीख लेनी चाहिए। भारत अपने आर्थिक विकास के महत्त्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। भारत दुनिया की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मगर भारत को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। ये चुनौतियां उसकी प्रगति को बाधित कर सकती हैं। मसलन, छोटे व्यवसायों की चुनौती देश के लिए एक बड़ी बाधा बन सकती है। भारत में आम तजुर्बा यह है कि छोटी कंपनियों के आगे बढने में कठिनाई पेश आती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 90 फीसदी कंपनियों में पांच से कम कर्मचारी हैं। उनमें से कुछ ही कंपनियां 10 से अधिक कर्मचारियों तक बढ़ पाती हैं। यह प्रवृत्ति भारतीय व्यवसायिक माहौल में नियम और बाजार संबंधी बाधाओं का संकेत देती है। कहा गया है कि भारत का मानव संसाधन उसकी सबसे बड़ी संपत्तियों में एक है, मगर प्रतिभाओं के पलायन की चुनौती उसके लिए चिंता का विषय है। इसलिए बैंक ने सुझाव दिया है कि भारत को उच्च कुशल श्रमिकों को प्रशिक्षित करने की क्षमता बढ़ानी चाहिए। बेशक इस रिपोर्ट में कई पहलू हैं, जिन पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। चुनौतियों को नजरअंदाज कर सिर्फ ढोल बजाना अपने लिए जोखिम मोल लेना साबित होगा।

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

ललित गर्ग

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषत: राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई रिश्वत छू नहीं सके, जिसको कोई सिफारिश प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

भारत-अमेरिका साथ-साथ, बाइडन और मोदी की फोन पर बात

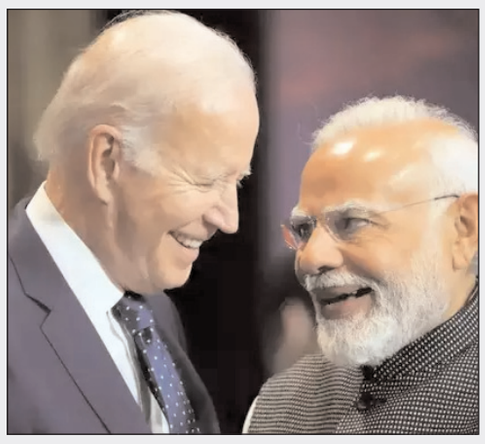

पिछले महीने पीएम मोदी ने रूस की यात्रा की थी। उस समय टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाए गए थे। हालांकि, अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और पीएम मोदी की फोन पर वार्ता हुई। इसी के साथ ये स्पष्ट हो गया कि भारत-अमेरिका साथ-साथ हैं। इधर, दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना भी कई लिहाज से अहम है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर दिखी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए अगर सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हुई उनकी फोन वार्ता पर गौर करें तो हाल की यूक्रेन यात्रा की सार्थकता ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आती है। यूक्रेन यात्रा ने उन गलतफहमियों को भी खत्म कर दिया है, जो रूस यात्रा के बाद खास तौर पर पश्चिमी हलकों में दिखाई देने लगी थीं।

उठ रहे थे सवाल- पीएम मोदी की रूस यात्रा की टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाए गए थे। एक तो वह यात्रा अमेरिका में नैटो देशों की प्रस्तावित बैठक के ठीक पहले हुई थी, दूसरे वह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हुई उनकी पहली विदेश यात्रा होने की वजह से भी अहम मानी गई थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी तब पीएम मोदी की रूस यात्रा पर खुले रूप में नाखुशी जताई थी।

दोनों को एक जैसा सुझाव- इसके बरक्स सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की पहल पर हुई फोन वार्ता इस बात का साफ संकेत है कि जो भी गलतफहमियां रही हों, वे पूरी तरह मिट चुकी हैं। हालांकि भारत पहले दिन से अपने इस रुख पर अडिग रहा है कि वह बातचीत के जरिए जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के पक्ष में है। पीएम मोदी ने रूस में राष्ट्रपति पूतिन से भी कहा था कि युद्ध के मैदान से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकता, और यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी सुझाव दिया कि जल्द शांति स्थापित करने के लिए वह रूस से बातचीत करें।

बांग्लादेश का जिक्र- दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना कई लिहाज से अहम है। पड़ोस का यह मुल्क जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसे लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों देशों का अपनी चिंताएं साझा करना मायने रखता है। पीएम मोदी की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मसला उठाना जाहिर करता है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद इस मामले में भारत की चिंता दूर नहीं हुई है। जिस तरह से तथ्यों के विपरीत जाकर बांग्लादेश के कुछ नेता बाढ़ के लिए भारत पर उंगली उठाने की कोशिश कर रहे हैं, वह भी बताता है कि वहां भारत के खिलाफ माहौल बनाने वाले तत्व अब भी सक्रिय हैं।

टाइमिंग है अहम- यह फोन वार्ता ऐसे समय हुई है, जब कुछ ही दिनों बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान मोदी और बाइडन मिलने वाले हैं। उसी बीच, क्वॉड देशों की बैठक भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों में हो रही प्रगति की भी समीक्षा की। कुल मिलाकर, इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों की सहजता को रेखांकित किया है।

महिला डॉक्टर से हैवानियत अक्षम्य और क्रूतम अपराध

बलबीर पुंज

यह विचित्र है कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने या कानून-व्यस्था दुरुस्त करने के बजाय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद सड़क पर उतरकर धरने-प्रदर्शन करने में व्यस्त है। 16 अगस्त को कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के साथ मिलकर विरोध-मार्च निकाला था। प्रश्न है कि इस पूरे मामले में त्वरित, पर्याप्त और संतोषजनक कार्रवाई नहीं करने का जिम्मेदार कौन है? बेशक, बीते 9 अगस्त को कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई हैवानियत अक्षम्य और क्रूरतम अपराध है। सामने आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उसमें दिखता वहशीपन, मानवीय संवेदना को भीतर से झकझोर देता है। परंतु इसके बाद जिस तरह का घटनाक्रम सामने आया, वह आमजन का व्यवस्था से ही विश्वास उठा देता है। रोंगटे खड़े कर देने वाली बर्बरता की शिकार महिला डॉक्टर (मृत) को न्याय दिलाने हेतु धरना-प्रदर्शन कर अन्य डॉक्टरों पर 14 अगस्त को ट्रकों में भरकर आई हजारों की भीड़ टूट पड़ी। बकौल मीडिया रिपोर्ट चश्मदीद प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने बताया कि हमलावर अस्पताल में तोड़फोड़ और मरीज, तीमारदारों, डॉक्टर-नर्सों आदि से मारपीट करते हुए उस जगह जाना चाहते थे, जहां महिला डॉक्टर को बलात्कार के बाद मौत के घाट उतारा दिया गया था। वे घटनास्थल से साक्ष्यों को खत्म करना चाहते थे। हैरानी की बात है कि यह सब धरनास्थल पर तैनात पुलिसबल की मौजूदगी में हो रहा था। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों पर हमले के जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें अधिकांश सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के कारकुन थे। यही नहीं, जो लोग सोशल मीडिया पर मृत पीड़िता को इंसाफ दिलाने और अपराधी पर सख्त कार्रवाई करने के लिए मुखर होकर आवाज उठा रहे है, उन्हें मुख्यमंत्री और सत्तारुढ़ तृणमूल मुखिया ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार का कोपभाजन झेलना पड़ रहा है। जब 18 अगस्त को कोलकाता में बलात्कार-हत्या के खिलाफ फुटबॉल समर्थकों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया, तब पुलिस ने उनपर लाठीचार्ज कर दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल ने अपने नेता शांतनु सेन को इसलिए पार्टी प्रवक्ता के पद से हटा दिया, क्योंकि वे मृत महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने हेतु डॉक्टरों के धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए थे। यही नहीं, बंगाल पुलिस ने तृणमूल के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय को इसलिए नोटिस भेज दिया, क्योंकि उन्होंने महिला डॉक्टर से बलात्कार-हत्या मामले में सीबीआई से राज्य के पुलिस आयुक्त और मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल से पूछताछ करने की मुखर मांग की थी। वास्तव में, यह अराजक मंजर बताता है कि प.बंगाल में अपराधी किस तरह बेखौफ होकर और सत्तारुढ़ तृणमूल के संरक्षण में अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे है, तो इसके खिलाफ आवाज उठाने वालों को ममता नीत प्रशासन हर तरह से दंडित करने का प्रयास कर रहा है। इस तरह की अतिरंजित स्थिति अक्सर हिंदी फिल्मों में देखने को मिलती है। इस घटनाक्रम में किसे प्रदर्शन करने का अधिकार है, यह भी स्वयं ममता सरकार तय कर रही है। यह विचित्र है कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने या कानून-व्यस्था दुरुस्त करने के बजाय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद सड़क पर उतरकर धरने-प्रदर्शन करने में व्यस्त है। 16 अगस्त को कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के साथ मिलकर विरोध-मार्च निकाला था। प्रश्न है कि इस पूरे मामले में त्वरित, पर्याप्त और संतोषजनक कार्रवाई नहीं करने का जिम्मेदार कौन है? स्वाभाविक तौर पर इसकी एकमात्र उत्तरादायी स्वयं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी है, जिनके अधीन राज्य का गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य विभाग भी आता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे एक आक्रामक नेता के रूप ममता बनर्जी प.बंगाल में अपने मुख्यमंत्री संस्करण के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। प.बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर ममता सरकार किस प्रकार विफल दिखती है, वह अस्पताल में तोड़फोड़, डॉक्टरों से मारपीट और उसपर कलकत्ता उच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणी से स्पष्ट हो जाता है। अदालत के अनुसार, आमतौर पर पुलिस के पास खुफिया शाखा होती है। हनुमान जयंती पर भी ऐसी ही घटना हुई। यदि 7000 लोग इकट्ठा हो जाते हैं, तो यह मानना मुश्किल होता कि राज्य पुलिस को पता नहीं था। जब इतना हंगामा हो रहा हो तो आपको पूरे इलाके की घेराबंदी कर देनी चाहिए थी। यह राज्य मशीनरी की पूरी तरह से विफलता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी मामले का स्वतः संज्ञान लेकर प.बंगाल पुलिस और अस्पताल प्रशासन की कार्यपद्धति पर सवाल उठाया है।

यह पहली बार नहीं है, जब अपने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ही प्रदर्शन कर रहा हो। इससे पहले एक अन्य घटनाक्रम पर पश्चिम बंगाल के तीसरे मुख्यमंत्री और बांग्ला कांग्रेस के संस्थापक अजय मुखर्जी ने भी ऐसा ही किया था। तब 1969 में कांग्रेस को सत्ता से कैसे भी दूर रखने के लिए अजय मुखर्जी ने वामपंथी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। परंतु वामपंथियों की स्वाभाविक अराजक और हिंसक शैली पर अजय मुखर्जी ने अपनी सरकार के वाम-सहयोगियों के खिलाफ ही सत्याग्रह शुरू कर दिया था। इस अजीब स्थिति के बाद कालांतर में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा, कांग्रेस कभी राज्य की सत्ता में नहीं लौट पाई और 34 वर्षों (1977-2011) के वामपंथी राज में सार्वजनिक जीवन में हिंसा ने अहम मुकाम हासिल कर लिया। तब से प.बंगाल में 'राजनीतिक संवाद' के बजाय वैचारिक-राजनीतिक विरोधियों की हत्या और दमन 'पसंदीदा उपक्रम' बन गया है। योजनाबद्ध तरीके से तत्कालीन सत्तारुढ़ वामपंथियों ने स्थानीय गुंडो, जिहादियों और अराजक तत्वों को संरक्षण दिया और फिर उन्हीं के माध्यम से राजनीतिक-वैचारिक विरोधियों (आरएसएस-भाजपा सहित) को नियंत्रित या प्रताड़ित करना प्रारंभ कर दिया।

सर्वजन का नहीं मिला साथ, क्या बहुजन से फिर बनेगी बात?

संजय सक्सेना

बहुजन समाज पार्टी इस समय काफी बुरे दौर से गुजर रही है। उसके वोट बैंक में जबर्दस्त गिरावट आई है तो पार्टी से जुड़े करीब-करीब सभी पुराने नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश में मायावती दलितों की सबसे बड़ी नेत्री हुआ करती थीं। दलित वोटों की ताकत के बल पर वह अन्य दलों से राजनैतिक सौदेबाजी भी कर लेती थी, परंतु जब से मायवती ने समाज के अन्य वर्गो खासकर मुसलमानों के बीच अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश शुरू की हैं तब से पार्टी के भीतर दलित नंबर दो की हैसियत बनकर रह गये थे। यह बात दलितों को अखरती भी थी, लेकिन दलित वोटरों ने माया से कभी बेवफाई की नहीं सोची। परंतु पिछले कुछ वर्षो से यह सिलसिला टूट गया है। दलित वोटर अपने फायदे के लिये कभी भाजपा को कभी समाजवादी पार्टी का दामन थामने लगे।

इस वर्ष हुए आम लोकसभा चुनाव में सर्वजन को साधकर सत्ता की मास्टर चाबी तलाशती रहीं मायावती को इस लोकसभा चुनाव ने पूरी तरह से संदेश दे दिया है कि दलित वोटों की नींव पर टिकी उनकी पार्टी की राजनीतिक जमीन अब काफी खोखली हो चुकी है।

मायावती की यह चिंता अब उनके शब्दों के साथ बाहर आ रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जो भी संदेश दिया है, उसमें 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की ही बात कही गई है, जबकि इससे पहले उनकी पार्टी की रणनीति और बसपा शासन का भी सूत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही था। इससे माना जा रहा है कि वह अब अपने कोर वोटबैंक रहे बहुजन समाज को फिर से आकर्षित करने के प्रयास में हैं।

उधर, बसपा प्रमुख मायावती को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की बात तो की, लेकिन एक बार भी सर्वजन यानी सभी समाज-वर्गों का उल्लेख नहीं आया। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से भी यही अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों बसपा मूवमेंट व बहुजन अस्मिता के हित में पूरे जी-जान से लगे रहें। सिर्फ यही बैठक नहीं, बल्कि 11 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की घोषणा की, तब भी संदेश दिया कि बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर जनता का भरोसा फिर से जीतने का प्रयास लगातार जारी रखना है। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश में जब बसपा की सरकार थी, तो सरकार सूत्र वाक्य था- सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय। इतना ही नहीं, मायावती अपनी बैठकों में भी इस सूत्र वाक्य को दोहराना नहीं भूलती थीं।

उदाहरण के तौर पर लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले 23 मई 2024 को गौतमबुद्ध की जयंती पर मायावती द्वारा जारी संदेश में खुद कहा था कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के आदर्श के आधार पर चलाई और समतामूलक समाज स्थापित करने का पूरा प्रयास किया। इसी तरह 2024 में ही एक जनवरी, 15 जनवरी और 20 जनवरी को दिए गए संदेश में भी मायावती ने सर्वजन हिताय की बात कही। इन बयानों पर गौर करें तो पता चलता है कि सर्वजन का सूत्र लोकसभा चुनाव परिणाम आने के पहले तक रहा और उसके बाद से सिर्फ बहुजन की रट है। आखिर क्यों? इसका संकेत लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद मायावती द्वारा बुलाई गई पहली राष्ट्रीय स्तरीय बैठक के संबोधन में मिलता है। उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में विशेषकर संविधान बचाओ जैसे मुद्दों को उठाकर जनता को गुमराह किया, उससे बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। मायावती को इस लोकसभा चुनाव से संकेत मिल गया है कि जिस तरह 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने बसपा के दलित वोटबैंक में सेंध लगाई, अब उसमें सपा और कांग्रेस भी बड़ी सेंध लगाती दिख रही हैं।

क्या होता है कस्तूरी तिलक? जानें इसे रोजाना लगाने के लाभ

शास्त्रों में कई प्रकार के तिलक का वर्णन मिलता है, जैसे कि चंदन का तिलक, केसर का तिलक, हल्दी का तिलक, श्याम बिंदी आदि। इसी कड़ी में कस्तूरी तिलक का भी उल्लेख किया गया है।

हिन्दू धर्म में तिलक लगाने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि तिलक लगाने के पीछे न सिर्फ कई धार्मिक कारण जुड़े हुए हैं बल्कि कई वैज्ञानिक तर्क भी मौजूद हैं। इसके अलावा, तिलक लगाने से कई ज्योतिषीय लाभ भी मिलते हैं। शास्त्रों में कई प्रकार के तिलक का वर्णन मिलता है, जैसे कि चंदन का तिलक, केसर का तिलक, हल्दी का तिलक, श्याम बिंदी आदि। इसी कड़ी में कस्तूरी तिलक का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि कस्तूरी तिलक के बारे में बहुत कम ही लोगों को पता होता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर क्या होता है कस्तूरी तिलक और क्या हैं इसे लगाने के लाभ।

कस्तूरी तिलक क्या होता है?

हिमालय में मिलने वाले कस्तूरी मृग से बनता है कस्तूरी तिलक। असल में कस्तूरी मृग की नाभि में एक दिव्य द्रव्य होता है जिसमें न सिर्फ कई औषधीय गुण होते हैं बल्कि ज्योतिष दृष्टि में भी इसे बहुत खास माना जाता है। उसी द्रव्य को जब मृग से जब निकाला जाता है तब उससे कस्तूरी चंदन का निर्माण होता है। उस द्रव्य को निकालने के लिए मृग को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है।

कस्तूरी तिलक क्यों लगाना चाहिए?

कस्तूरी तिलक लगाने से व्यक्ति के भीतर मौजूद सातों चक्र जागृत हो जाते हैं। इन चक्रों के जागृत होने से व्यक्ति में दिव्यता का संचार होता है और उसके अंदर सद्गुण जन्म लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कस्तूरी तिलक रोजाना लगाने से व्यक्ति का भाग्य जाग उठता है और उसके बुद्धि तीव्र हो जाती है। उसकी मानसिक एवं शारीरिक क्षमता में बढ़ोतरी होती है और सफलता के मार्ग खुलते हैं।

कस्तूरी तिलक लगाने के क्या नियम हैं?

कस्तूरी तिलक लगाने से जुड़े कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक माना गया है। कस्तूरी तिलक हमेशा लंबा लगाया जाता है। गोल कस्तूरी तिलक लगाना वर्जित माना गया है। इसके अलावा, कस्तूरी तिलक को लगाते समय हमेशा उसमें कच्चा दूध मिलाकर लगाना चाहिए न कि पानी। एक बूंद दूध मिलाकर ही कस्तूरी तिलक लगाना चाहिए। कस्तूरी तिलक लगाने के बाद आधे घंटे ता कुछ खाना नहीं चाहिए।

कौन थे गजासुर जो आज भी ज्योतिर्लिंग रूप में पूजे जाते हैं?

काशी नगरी में भोलेनाथ विश्वनाथ के अलावा एक और शिवलिंग है, जिसे भगवान भोलेनाथ के मस्तक की मान्यता प्राप्त है। शिवपुराण के अनुसार यह शिवलिंग असुर राज गजासुर के ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजे जाते हैं।

यह तो हम सभी को पता है कि भारत में कुल 12 ज्योतिर्लिंग है, लेकिन इन 12 ज्योतिर्लिंग के अलावा एक ज्योतिर्लिंग ऐसा भी है, जिसे भगवान शिव का विशेष आशीर्वाद मिला है और यह ज्योतिर्लिंग गजासुर के रूप में पूजे जाते हैं। गजासुर का यह ज्योतिर्लिंग काशी के 14 महत्वपूर्ण मंदिर में से एक है और इस शिवलिंग की कथा का वर्णन शिवलिंग में भी मिलती है। चलिए जानते हैं इस शिवलिंग और असुर राज गजासुर के बारे में।

इस नाम से पूजे जाते हैं गजासुर

काशी में कृतिवाशेश्वर मंदिर एक ऐसा शिवलिंग है, जहां असुर राज गजासुर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजित हैं। काशी में यह मंदिर काशी विश्वनाथ मंदिर और महामृत्युंजय मंदिर के बीच में स्थित हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर के दर्शन मात्र से मनुष्य को जन्म और मृत्यु के बंधन और मोह से मुक्ति मिल जाती है। सदियों से यह काशी के सबसे बड़े और पुराने मंदिर में से एक है।

गजासुर कौन थे?

गजासुर राक्षस महिषासुर के पुत्र थे। महिषासुर का वध मां दुर्गा ने किया था और गजासुर भी अपने पिता की तरह अत्याचारी राक्षस था। गजासुर अपने पिता के मृत्यु का बदला लेने के लिए घोर तपस्या की और ब्रह्मा जी को प्रसन्न उनसे महाबली और अजेय होने का वरदान मांगा। ब्रह्मा जी से वरदान पाकर गजासुर स्वयं को शक्तिशाली मान तीनों लोक में अत्याचार करने लगे।

शिव पुराण में भी है गजासुर की कथा

शिव पुराण के रूद्र संहिता, के पंचम खंड के 97 अध्याय में गजासुर के तपस्या, वध और काशी के कृतिवाशेश्वर महादेव के बारे में बताया गया है। ब्रह्मा जी से वरदान पाकर गजासुर महादेव की प्रिय नगरी काशी में जाकर आतंक मचाने लगा। गजासुर के अत्याचार से परेशान होकर सभी देवता और ऋषि मुनि महादेव के पास गए और उनसे सहायता मांगी।

देवताओं और साधु-संतों की सहायता के लिए शिव जी अपना त्रिशूल लेकर गजासुर के वध के लिए चले गए। गजासुर और महादेव के बीच महायुद्ध हुआ। गजासुर शिवजी को मारने के लिए तलवार लेकर दौड़े, वहीं शिव जी भी त्रिशूल लेकर गजासुर पर प्रहार करने लगे। शिवजी गजासुर को अपने त्रिशूल से उठा लिए और गजासुर अपना मृत्यु निकट जानकर शिवजी की आराधना करने लगे। गजासुर ने शिवजी से मांगी ये वरदान भगवान शिव की आराधना करते हुए गजासुर ने शिव जी से कहा कि हे प्रभु, आपने अपने पवित्र त्रिशूल से मेरे शरीर का स्पर्श किया है, इसलिए मैं चाहता हूं कि आप सदैव मेरे शरीर के चर्म को धारण करें। मेरी चर्म का ही ओढ़ना पहने और आज से आप कृत्तिवासा के नाम से जाने जाएं। शिव जी ने गजासुर की बात मान ली और कहा हे गजासुर तुम्हारे शरीर को इस काशी नगरी में मुक्ति मिलेगी। साथ ही तुम्हारा शरीर यहां ज्योतिर्लिंग के रूप में काशी में स्थापित होगा और इस ज्योतिर्लिंग का नाम कृतिवाशेश्वर से पूरे संसार में जाना जाएगा।

उज्जैन के 84 महादेव का स्कं पुराण में है उल्लेख, नाम लेने से पूरी होती है मनोकामन

स्कंद पुराण के अवंती खंड में भी उल्लेख है कि उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ 84 महादेव, 6 विनायक, 24 देवियां, 8 भैरव, 11 रुद्र, 12 आदित्य, 10 विष्णु और 9 नारायण के मंदिर हैं। इसमें बताया गया है कि 84 महादेव का नाम लेने और इनके दर्शन से भक्त को विशेष फल की प्राप्ति होती है। उज्जैन शहर और इसके आस-पास स्थित हैं 84 महादेव के मंदिर।

उज्जैन के कर्कोटकेश्वर महादेव मंदिर में होती है काल सर्प दोष का पूजन। ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में सभी ऋणों से मुक्ति के लिए होता है पूजन भगवान शिव की आराधना के लिए सोमवार को दिन सबसे श्रेष्ठ माना गया है। अगर सोमवार भगवान शिव के प्रिय सावन माह का हो तो यह आराधना के लिए और भी उत्तम है। सावन माह के सोमवार को बड़ी संख्या में भक्त उज्जैन में महाकाल की

84 महादेव से जुड़ी हैं अलग-अलग कथाएं

उज्जैन के 84 महादेव से अगल-अलग कथाएं जुड़ी हुई है। यहां अलग-अलग मंदिरों में भी पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। जैसे कर्कोटकेश्वर महादेव मंदिर में काल सर्प दोष निवारण के लिए पूजा होती है। ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में राजा हरिशचंद्र ऋण से मुक्ति पाई थी। जो भी भक्त ऋण से मुक्ति चाहता है, वो यहां पूजन करने पहुंचता है। ऐसे ही महादेव के अन्य मंदिरों में पूजन का अलग महत्व है।

1 - श्री अगस्त्येश्वर महादेव
2 - श्री गुहेश्वर महादेव
3 - श्री ढूंढ़ेश्वर महादेव
4 - श्री डमरुकेश्वर महादेव
5 - श्री अनादिकल्पेश्वर महादेव
6- श्री स्वर्णजालेश्वर महादेव
7 - श्री त्रिविष्टपेश्वर महादेव
8 - श्री कपालेश्वर महादेव
9 - श्री स्वर्गद्वारेश्वर महादेव
10 - श्री कर्कोटकेश्वर महादेव
11 - श्री सिद्धेश्वर महादेव
12 - श्री लोकपालेश्वर महादेव
13 - श्री कामेश्वर महादेव
14 - श्री कुटुम्बेश्वर महादेव
15 - श्री इन्द्रद्युम्नेश्वर महादेव
16 - श्री ईशानेश्वर महादेव
17 - श्री अप्सरेश्वर महादेव
18 - श्री कलकलेश्वर महादेव
19 - श्री नागचण्डेश्वर महादेव
20 - श्री प्रतिहारेश्वर महादेव
21 - श्री कुटुम्बकेश्वर महादेव
22 - श्री कर्कटेश्वर महादेव
23 - श्री मेघनादेश्वर महादेव
24 - श्री महालयेश्वर महादेव
25 - श्री मुक्तेश्वर महादेव
26 - श्री सोमेश्वर महादेव
27 - श्री अनरकेश्वर महादेव
28 - श्री जटेश्वर महादेव
29 - श्री रामेश्वर महादेव
30 - श्री च्यवनेश्वर महादेव
31 - श्री खण्डेश्वर महादेव
32 - श्री पत्तनेश्वर महादेव
33 - श्री आनंदेश्वर महादेव
34 - श्री कन्थडेश्वर महादेव
35 - श्री इंद्रेश्वर महादेव
36 - श्री मार्कण्डेश्वर महादेव
37 - श्री शिवेश्वर महादेव
38 - श्री कुसुमेश्वर महादेव
39 - श्री अक्रूरेश्वर महादेव
40 - श्री कुण्डेश्वर महादेव
41 - श्री लुम्पेश्वर महादेव
42 - श्री गंगेश्वर महादेव
43 - श्री अंगारेश्वर महादेव
44 - श्री उत्तरेश्वर महादेव
45 - श्री त्रिलोचनेश्वर महादेव
46 - श्री वीरेश्वर महादेव
47 - श्री नूपुरेश्वर महादेव
48 - श्री अभयेश्वर महादेव
49 - श्री पृथुकेश्वर महादेव
50 - श्री स्थावरेश्वर महादेव
51 - श्री शूलेश्वर महादेव
52 - श्री ओंकारेश्वर महादेव
53 - श्री विश्वेश्वर महादेव
54 - श्री कंटेश्वर महादेव
55 - श्री सिंहेश्वर महादेव
56 - श्री रेवन्तेश्वर महादेव
57 - श्री घंटेश्वर महादेव
58 - श्री प्रयागेश्वर महादेव
59 - श्री सिद्धेश्वर महादेव
60 - श्री मातंगेश्वर महादेव
61 - श्री सौभाग्येश्वर महादेव
62 - श्री रुपेश्वर महादेव
63 - श्री धनु- साहस्त्रेश्वर महादेव
64 - श्री पशुपतेश्वर महादेव
65 - श्री ब्रम्हेश्वर महादेव
66 - श्री जल्पेश्वर महादेव
67 - श्री केदारेश्वर महादेव
68 - श्री पिशाचमुक्तेश्वर महादेव
69 - श्री संगमेश्वर महादेव
70 - श्री दुर्धरेश्वर महादेव
71 - श्री प्रयागेश्वर महादेव
72 - श्री चन्द्रादित्येश्वर महादेव
73 - श्री करभेश्वर महादेव
74 - श्री राजस्थलेश्वर महादेव
75 - श्री बडलेश्वर महादेव
76 - श्री अरुणेश्वर महादेव
77 - श्री पुष्पदन्तेश्वर महादेव
78 - श्री अविमुक्तेश्वर महादेव
79 - श्री हनुमत्केश्वर महादेव
80 - श्री स्वप्नेश्वर महादेव
81 - श्री पिंगलेश्वर महादेव,
82 - श्रींकायावरोहणेश्वर महादेव
83 - श्री बिल्वेश्वर महादेव
84 - श्री दुदुरेश्वर महादेव

क्या खाली शंख घर या मंदिर में रखना सही है?

शास्त्रों में घर या मंदिर में शंख रखने से जुड़े कई नियम भी बताये गए हैं जिनका पालन आवश्यक माना गया है। हिन्दू धर्म शास्त्रों में शंख को माता लक्ष्मी का बड़ा भाई माना गया है। इसके अलावा, शंख की पूजा का भी विधान मौजूद है। इसी कारण से न सिर्फ घर या घर के मंदिर में लोग शंख रखते हैं बल्कि उसकी पूजा भी करते हैं। हालांकि शास्त्रों में घर या मंदिर में शंख रखने से जुड़े कई नियम भी बताये गए हैं जिनका पालन आवश्यक माना गया है।

ऐसा माना जाता है कि घर या घर के मंदिर में शंख रखने से घर की बरकत बनी रहती है, लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि लोग शंख लाकर उसे यूं ही रख देते हैं यानी कि शंख को खाली स्थापित कर देते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या खाली शंख घर या घर के मंदिर में रखना चाहिए। आइये जानते हैं इस बारे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से विस्तार में।

घर में खाली शंख रखने से क्या होता है?

घर या घर के मंदिर में शंख रखने से सकारात्मकता का संचार होता है, लेकिन अगर घर या मंदिर में खाली शंख रखा है तो इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और शंख की शुभता एवं दिव्य ऊर्जा खत्म हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शंख को हमेशा शुद्ध जल से भरकर रखना चाहिए। इसके अलावा, शंख को पुष्प से भरकर भी रखा जा सकता है। शंख में जल भरकर रखने से घर में बुरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर पाती हैं। वहीं, शंख में फूल भरकर रखने से घर में पारिवारिक शांति बनी रहती है और घर में परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बेहतर बनता है एवं मधुरता पनपने लगती है। शंख में फूल भरकर रखने से ग्रह दोष भी दूर होता है।

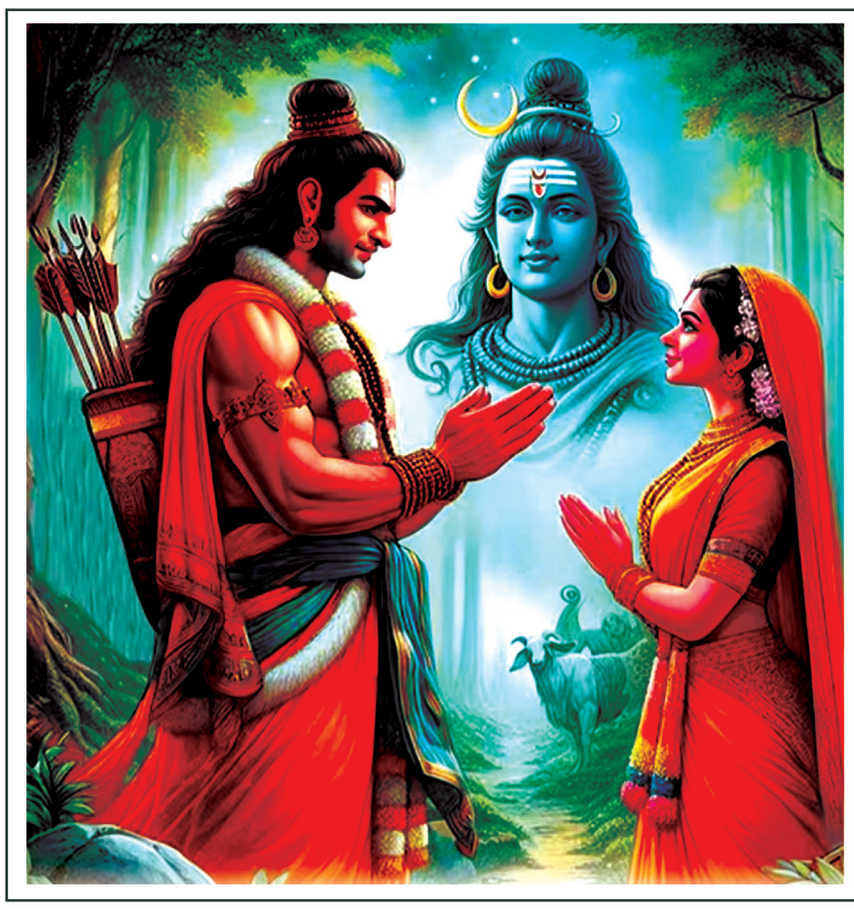

भगवान श्रीराम की परीक्षा लेना चाहती थीं माता सती, शिव जी ने क्रोधित होकर किया देवी का त्याग

माता सती और बाद में उनके ही दूसरे रूप माता पार्वती ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कड़ी तपस्या की थी। माता सती की एक गलती के कारण उन्हें शिव जी ने पत्नी रूप में स्वीकार करने से मना कर दिया था। इसके बाद उन्होंने माता पार्वती के रूप में दूसरा स्वरूप लिया था। माता पार्वती भगवान शिव की दूसरी पत्नी हैं। भगवान शिव की पहली पत्नी माता सती थीं। माता पार्वती, माता सती का ही स्वरूप मानी जाती हैं, लेकिन माता सती की एक गलती के कारण भगवान शिव ने उनका पत्नी के रूप में त्याग कर दिया था। उस समय वे दुखी होकर यज्ञ की अग्नि में समा गई थीं और अपनी देह का त्याग कर दिया था। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस ग्रंथ में इसका वर्णन किया है। इसके अनुसार माता पार्वती ने घोर तपस्या की और भगवान शिव को फिर से पति रूप में प्राप्त किया। इस तरह मां पार्वती के रूप में देवी सती ने जन्म लिया।

शिव ने सुनी थी रामकथा

एक बार भगवान शिव को रामकथा सुनने की इच्छा हुई। तब राम कथा सुनने की इच्छा से भगवान शिव, माता सती के साथ कुम्भज ऋषि के आश्रम पहुंचे और ऋषि से राम कथा सुनने की इच्छा व्यक्त की। तब ऋषि ने भगवान शिव और माता सती को प्रणाम किया और राम कथा सुनाना शुरू किया।

महादेव ने इसलिए किया देवी सती का त्याग

भगवान शिव ने बड़े भाव से रामकथा सुनी। कथा सुनने के बाद भगवान शिव, भगवान श्री राम की भक्ति के आनंद में डूब गए। वे माता सती के साथ वन की ओर लौट रहे थे तभी उन्होंने देखा कि वहां भगवान श्री राम अपनी पत्नी से अलग होकर अपने भाई लक्ष्मण के साथ माता सीता की खोज में भटक रहे थे। वहां भगवान शिव ने श्रीराम को आदरपूर्वक प्रणाम किया। यह देखकर माता सती के मन में संदेह उत्पन्न हो गया। वह सोचने लगीं कि जिन भगवान शिव को सभी प्रणाम करते हैं, वे एक साधारण राजकुमार को क्यों प्रणाम करेंगे, जो स्वयं अपनी पत्नी के वियोग से दुखी और व्याकुल है।

सती ने धारण किया सीता का रूप

इस संदेह को दूर करने के लिए उन्होंने भगवान शिव से सवाल किया। शिव जी ने माता सती को समझाया कि यह कोई साधारण राजकुमार नहीं हैं, बल्कि स्वयं भगवान राम हैं, जिनकी कहानी उन्होंने अभी-अभी सुनी है। यह सब भगवान श्रीराम की ही लीला है। इसके बावजूद माता सती भगवान शिव की बातों से संतुष्ट नहीं हुईं। माता सती को इसे स्वीकार करने में संदेह हुआ, उन्होंने भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने का निर्णय लिया। भगवान शिव ने माता सती को ऐसा करने से रोका, लेकिन वे नहीं मानीं। देवी सती ने माता सीता का रूप धारण किया और उसी स्थान पर बैठ गईं, जहां से श्रीराम और लक्ष्मण आए थे। जैसे ही श्री राम ने माता सती को सीता के रूप में देखा, उन्होंने माता सती को प्रणाम किया और पूछा, माता, आप वन में अकेली क्या कर रही हैं? महादेव कहां हैं?

भगवान शिव से कहा झूठ

श्रीराम की यह बात सुनकर माता सती समझ गईं कि राम वास्तव में भगवान विष्णु के अवतार हैं। उन्हें अपनी गलती क अनुभव हुआ और वे भगवान शिव के पास लौट आईं। जब शिवजी ने माता सती से पू कि वहां क्या हुआ है, तो माता सती ने झूठ बोल दिया कि कुछ नहीं हुआ है, वे सिर्फ भगवान श्रीराम को प्रणाम करके लौटी हैं। भगवान शिव उनके इस झूठ को समझ गए और पूरी घटना जानकर बहुत दुखी हुए।

अग्नि में समा गई थीं देवी सती

देवी सती ने अपने आदर्श श्री राम की पत्नी माता सीता का रूप धारण किया था, इसलिए भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करने में असमर्थता व्यक्त की और मानसिक और शारीरिक रूप से माता सती को त्याग दिया। सती को अपनी गलती का एहसास हुआ, वह जानती थीं कि अब महादेव उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे। तब माता सती ने अपना शरीर त्यागने का निर्णय लिया। इसीलिए वे बिना बुलाए अपने पिता राजा दक्ष के यज्ञ में चली गईं और वहीं यज्ञ की अग्नि में खुद को समाकर अपना शरीर त्याग दिया।

संक्षिप्त समाचार

कवर्धा वनमंडल ने ग्रामीणों के आय बढ़ाने के लिए रोजगार मूलक प्रशिक्षण दे रहा

कवर्धा (समय दर्शन)। वनमंडलाधिकारी कवर्धा के मार्गदर्शन में 27 अगस्त 24 को रेंगाखार परिक्षेत्र में वन विभाग द्वारा ग्राम रामपुर के ग्रामीणों के लिए आय के साधन बढ़ाने के उद्देश्य से रोज़गार मूलक प्रशिक्षण प्रारम्भ किया है। प्रशिक्षण का प्रथम चरण आगामी दो माह तक चलेगा, जिसमें सिलाई, दुपहिया ऑटो रिपेयर के गुण ग्रामीणों को सिखाए जाएंगे। प्रशिक्षण के अंत में परीक्षा लेकर उत्तीर्ण ग्रामीणों को प्रमाण पत्र तथा प्लेसमेंट सपोर्ट भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण में 50 प्रतिशत प्रतिभागी महिलायें होंगी। ग्रामीणों की सहूलियत के लिए उक्त प्रशिक्षण ग्राम के समुदायिक भवन में कराया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में जिला पंचायत सदस्य, परिक्षेत्र अधिकारी रेंगाखार, संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्य एवं स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एमएचएम में मितानिनों का संविलियन, विधायक गजेंद्र से मिलकर सरकार का जताया आभार

दुर्ग (समय दर्शन)। सरकार की सभी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मितानिनों को विष्णुदेव साय सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में संविलियन कर दिए है, अब सीधे तौर पर विभाग से जुड़कर काम करेंगे जिसका फायदा जनता को मिलेगा। आज बड़ी संख्या में मितानिन विधायक गजेंद्र यादव से मिलकर सरकार का आभार जताये। गौरतलब है की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्थ रखने में मितानिनों महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, सरकार की स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं इन्ही के माध्यम से घर घर तक पहुंचती है। इतने वर्षो तक इन्हे काम के एवज में वेतन एनजीओ के माध्यम से प्राप्त होता था, किसी प्रकार की समस्या होने पर कोई सुनवाई नहीं होती थी अब विष्णुदेव सरकार द्वारा इनका संविलियन कर दिया गया है, अब मितानिनों के कामकाज का संचालन जिला स्वास्थ्य विभाग के एनएचएम से होगा। मितानिन कार्यक्रम के सदस्य मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, ब्लाक समन्वयक, स्वस्थ पंचायत समन्वक, एरिया कोआर्डिनेटर, हेल्प डेस्क फैसिलेटर को विष्णुदेव सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलियन करने पर मितानिनों ने विधायक गजेंद्र यादव से मिलकर सरकार का आभार जताया। इस दौरान चमेली साहू, यशोदा जोशी, मनीषा रत्नाकर, हेमा बघेल, उर्मिला साहू, रेणु साहू, पुष्पा चौबे, मंजू, निर्मला निषाद, योगेश्वरी निषाद, भानुमति सहित शहरी एवं ग्रामीण के मितानिन उपस्थित रहे।

आबकारी टीम की नाकाबंदी में 15 लीटर महुआ शराब तथा 01 दोपहिया वाहन जप्त

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में आबकारी टीम द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई सतत जारी है। इसी क्रम में आबकारी टीम द्वारा बुधवार को मुखबिर सूचना के आधार पर आबकारी वृत्त सांकरा अंतर्गत शंकरपुर से इंदरपुर मुख्य मार्ग में नाकाबंदी कर बिना नम्बर प्लेट वाली दोपहिया हीरो सुपर स्प्लेंडर से परिवहन करते आरोपी लेकरू नंद, राजेश नंद साकिन शंकरपुर, थाना सांकरा के कब्जे से अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब-15 लीटर बाजार मूल्य 3000 रुपए एवं जप्त वाहन-01 बाजार मूल्य 45000 रुपए जप्त किया गया तथा धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 59(क) आबकारी एक्ट के तहत विधिवत प्रकरण कायम कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराए जाने की कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई आबकारी वृत्त सांकरा के प्रभारी अनिल कुमार झारिया, आबकारी उपनिरीक्षक के नेतृत्व में की गई। कार्यवाही के दौरान आबकारी स्टॉफ सांकरा एवं पिथौरा उपस्थित थे।

डॉ. प्रमोद गुप्ता को आरकेसी ने लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया

राजनांदगांव (समय दर्शन)। तीन दशकों से अधिक के करियर वाले मध्य भारत के प्रतिष्ठित मनोचिकित्सक डॉ. प्रमोद गुप्ता को रॉयल किड्स कॉन्वेंट परिवार द्वारा प्रतिष्ठित लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मनोचिकित्सा के क्षेत्र में उनके असाधारण कार्य के माध्यम से मानवता के लिए डॉ. गुप्ता के अथक समर्पण और योगदान को मान्यता देता है।

सम्मानित अतिथियों और रॉयल किड्स कॉन्वेंट परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में डॉ. गुप्ता को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मानवता की सेवा करने और अनगिनत लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

डॉ. गुप्ता के उल्लेखनीय करियर को उनकी नि:स्वार्थ

सेवा, विशेषज्ञता और करुणा ने चिह्नित किया है, उनके काम ने छत्तीसगढ़ प्रदेश एवं भारतवर्ष में कई लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है, और यह पुरस्कार उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए एक उचित सम्मान है। डायरेक्टर संजय बहादुर सिंह ने डॉ. गुप्ता की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, हमें मानवता के लिए डॉ. प्रमोद गुप्ता के उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देते हुए सम्मानित महसूस हो रहा है, उनका समर्पण और सेवा हम सभी के लिए प्रेरणा है, और हमें उनका सम्मान करते हुए खुशी हो रही है। यह लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवार्ड डॉ. गुप्ता के उत्कृष्ट कार्य की एक अच्छी तरह से योग्य मान्यता है, और हम उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं।

संस्था अध्यक्षा डॉक्टर सविता जेबी सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, निदेशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, प्राचार्या एकता खंडेलवाल, सुषमा शुक्ला, उपप्राचार्या ममता मिश्रा, प्रधान पाठिका सरिता सिंह, कार्यक्रम संयुक्त का तृप्ति मेश्राम, अंकिता साहू एवं समाज शिक्षक-शिक्षिकाओं ने डॉक्टर साहब को बधाइयां एवं शुभकामनाएं ज्ञापित की हैं।

ग्राम भिलाई के स्कूल में ग्रामीणों ने जड़े ताला, दिव्यांग महिला शिक्षिका के नही रखने की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। दिव्यांग महिला शिक्षिका की जॉइनिंग नहीं होने देने की माँग को लेकर ग्राम भिलाई के ग्रामीणों ने स्कूल में गुरुवार को स्कूल के मुख्य द्वारा पर ताला जड़ा बंद कर स्कूली बच्चों के साथ प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी किए।ज्ञात हो कि गुरुवार की सुबह दस बजे गरियाबंद जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर ग्राम भिलाई के आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य दरवाजे में ताला जड़ दिया।जिसमे ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम भिलाई में प्रशासन द्वारा एक ग्राम घुटकुनावापरा की शिक्षिका का पद स्थापना किया गया था जो की शरीर से दिव्यांग होने के चलते चलने फ़िरने में सक्षम नहीं थी जो बच्चों को पढ़ाने लिखाने में भी सक्षम नहीं थी,जिसे ग्रामीण अपने ग्राम में नही रखना चाहते थे।इस समस्या को लेकर ग्राम भिलाई के ग्रामीणों ने दो दिन पूर्व ब्लाक शिक्षा अधिकारी से मिलकर निवारण करने की मांग किए थे लेकिन समस्या का निवारण नहीं होता देख ग्रामीणों ने गुरुवार को सुबह 10 बजे स्कूल के मुख्य दरवाजे पर ताला जड़ते हुए ब्लाक शिक्षा अधिकारी के खिलाफ

नातेबाजी करते रहे।वही ग्रामीणों ने बताया कि हम इस समस्या को लेकर दो दिन पहले ब्लाक शिक्षा अधिकारी से मिलने गए थे लेकिन उनके द्वारा शिक्षा समिति और परिजनों को बेइज्जत करते कहा गया की शिक्षा का कार्य परिजनों और शिक्षा समिति के सदस्यों द्वारा थोड़ी संचालित होगा,और इस बात से नाराज ग्रामीणों ने स्कुल के मुख्य द्वार पर ताला जड़ते हुए प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त कर रहे है वही उक्त शिक्षिका को अन्यत्र भेजने की मांग किए।इस विरोध की जानकारी होते ही संकुल समन्यव्यक तत्काल मौके पर पहुंचे और इस बात की जानकारी शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दिए तब कही जाकर आदेश को निरस्त कर उक्त शिक्षिका को पुन: घुटकुनावापरा वापस किया गया।गौरतलब है की ग्रामीणों ने बताया कि उक्त स्कूल दो शिक्षकीय स्कूल है जहा दो शिक्षक पूर्व से पदस्थ है,उस स्कूल को एक शिक्षकीय स्कूल बता कर तीसरी शिक्षिका को वहा भेजने का क्या कारण रहा होगा ये अधिकारी ही जाने एल,साथ ही ग्रामीणों को द्वारा शिक्षा अधिकारी के ऊपर लेनदेन कर शिक्षिका को गृह ग्राम के नजदीक लाए जाने का आरोप लगाए।इन सब आरोपी के बीच शारीरिक रूप से अक्षम शिक्षिका को बेवजह यहाँ वहा पदस्थ किया जा रहा है उससे उस शिक्षिका को भी मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान: संभागायुक्त और कलेक्टर ने किया वृक्षारोपण

कामधेनु विश्वविद्यालय परिसर में शिवनाथ नदी के तट पर लगाए गए सैकड़ों फलदार और छाँवदार पौधे

दुर्ग (समय दर्शन)। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत कामधेनु विश्वविद्यालय परिसर में संभागायुक्त श्री एस.एन. राठौर और कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, और विश्वविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस अभियान से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह शिवनाथ नदी के तट पर मृदाक्षरण को रोकने में सहायक होगा।

इस अवसर पर कुलसचिव एवं अधिष्ठाता द्वारा विश्वविद्यालय में चल रही शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों की विस्तृत जानकारी से दुर्ग संभागायुक्त श्री राठौर एवं जिलाधीश सुरी चौधरी को

अवगत कराया गया। कलेक्टर ने विश्वविद्यालय परिसर से लगे नदी तट पर पर्यटन की संभावनाओं पर रूपरेखा तैयार करने कहा। साथ ही एनसीसी हॉर्स राइडिंग ग्राउंड और अस्तबल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने ज़िले के अन्य विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी हॉर्स राइडिंग प्रशिक्षण कैंपस से जोड़ने के निर्देश दिये। इस दौरान एडीएम अरविंद एक्का, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, ग्राम पंचायत अंजोरा की सरपंच श्रीमती संगीता साहू , अधिष्ठाता एवं निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. संजय शाक्य, निदेशक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. जी.के.दत्ता, कुलसचिव डॉ. आर.के. सोनवणे, वित्त अधिकारी सुश्री ममता अवस्थी, एन.सी.सी. लेफ्टिनेंट डॉ. राजकुमार गढ़पायले, एन.सी.सी. कैडेट्स, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राएं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिक्षा के रास्ते में गरीबी आड़े नहीं आएगी, कुर्मी समाज ने बढ़ाया आर्थिक सहयोग का हाथ, कामिनी का आगे पढ़ने का सपना पूरा होगा

कामिनी वर्मा के सपनो को पूरा कराने सामने आए समाजसेवी भूषण वर्मा

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज पाटन राज के अंतर्गत आने वाले धूमा निवासी कामिनी वर्मा के आगे की पढ़ाई के लिए समाज के लोगों ने आर्थिक मदद कर हौसला बढ़ाया पाटन राज प्रधान युगल किशोर आडिल ने बताया कि कामिनी वर्मा के पिताजी ललित वर्मा का कैंसर की वजह से देहावसान होने के बाद उनके परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी उनकी माता श्रीमती चंपा देवी के कंधों में आ गई ग्रेजुएशन के बाद कामिनी वर्मा सीजीपीएससी की तैयारी करना चाह रही थी लेकिन आर्थिक हालात आड़े आ रहा था बालिका समूह की प्रमुख काजल वर्मा ने कामिनी वर्मा के आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग करने के लिए पहल किया था पूर्व में 14000 की आर्थिक सहयोग खुबचंद बघेल जयंती के अवसर पर प्रदान किया गया आडिल ने बताया कि मनवा कुर्मी समाज पूर्व में भी समाज और अन्य समाज के लोगों के जरूरतमंद लोगों की पढ़ाई इलाज या शादी में आर्थिक सहयोग करते आया है समाचार पत्र में प्रकाशित खबर पढ़ने के बाद कुर्मी गुंडरा वर्तमान निवास दुर्ग मीनाक्षी नगर भूषण वर्मा ने इस बच्ची की पढ़ाई को पूरा कराने अपना हाथ आगे बढाया कामिनी वर्मा की पढाई के लिए भूषण वर्मा ने 5000 रुपए गजेंद्र पटेल न्यू आदर्श नगर दुर्ग 800 वेद नारायण वर्मा दीक्षा वर्मा कुर्मी गुंडरा 10000 नोहर सिंह आडिल न्यू मीनाक्षी नगर दुर्ग 1500 कामिनी के ड्रेस के लिए भारती वर्मा ने 1000 और स्कूली बच्चे कुमारी पल्लवी वर्मा 500 दिव्यांश वर्मा 300 और निलमाधव वर्मा दुर्ग ने 200 की आर्थिक अंशदान कर श्रृह्ष की गाइड के लिए सहयोग राशि प्रदान किए साथ ही भूषण चंद्राकर चंद्राकर सीमेंट हाउस महाराजा चौक दुर्ग 1100 टुकेंद्र कुमार वर्मा विस्तार बोरसी 3000 अशोक कुमार वर्मा करेली राजिम 5000 दुलारी वर्मा मीनाक्षी नगर दुर्ग यशवंत वर्मा पतोरा उतई ने 500 की आर्थिक सहयोग प्रदान किया पाटन राज की इस होनहार बच्ची की पढ़ाई के लिए समाजसेवी भूषण वर्मा और अन्य सभी सहयोगी का पाटन राज प्रधान युगल किशोर आडिल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की हमे जरूरत मंद व्यक्तियों की मदद करना चाहिए।

पशुओं को मुख्य मार्ग से हटाने की जा रही है लगातार कार्रवाई

समझाईश के बाद भी पशुओं के मुख्य मार्ग में पाए जाने पर लगाई जा रही पेनाल्टी

कलेक्टर के निर्देश पर जनपद और नगरीय निकायों में अब तक 12 हजार रुपए से अधिक की पेनाल्टी लगाई गई

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर आवारा पशुओं को सड़क से हटाने की कारवाई नगरीय निकायों और जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत पंचायतों द्वारा लगातार किया जा रहा है। पशुओं में रेडियम बेल्ट भी लगाए जा रहे हैं। पशु मालिकों को पहले समझाईश दी जा रही है, लेकिन समझाईश के पश्चात भी खुले में छोड़ने या मुख्य मार्ग पर विचरण करते पाए जाने पर पेनाल्टी भी लगाई जा रही है। बसना, सरायपाली, बागबाहरा, पिथौरा एवं महासमुंद नगरीय निकायों

एवं जनपद पंचायत क्षेत्रों में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर कार्रवाई संबंधित सीएमओ एवं सीईओ द्वारा की जा रही है। जानकारी के अनुसार नगरीय एवं जनपद क्षेत्र महासमुंद अंतर्गत 2200 रुपए, इसी तरह बसना में 3400 रुपए, बागबाहरा में 2200 रुपए, पिथौरा में 1400 रुपए एवं सरायपाली में 3150 रुपए का पेनाल्टी लगाया गया है। इस तरह कुल 12350 रुपए का पेनाल्टी काटा गया। कलेक्टर ने विगत समय सीमा की बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़कों पर मवेशियों के जमवाड़ा को रोकने के लिए ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों को जिम्मेदारी दिए थे। राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले ग्राम पंचायतों के द्वारा नामजद ड्यूटी लगाकर पेट्रोलिंग करने भी कहा गया था। मवेशियों के सड़क में रहने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, माननीय हाई कोर्ट के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों की जिम्मेदारी तय की गयी है, इसे गंभीरता से लेते हुए पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने कहा गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि आवारा घूम रहे मवेशियों पर रेडियम और पट्टी लगाया जाए ताकि उनके मालिकों को भी संज्ञान में लेकर उनसे जानकारी ली जाए। लंगेह ने कहा कि ऐसे मामले में जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता सुनिश्चित हो।

डीईओ और सहायक संचालक के हवाले स्वामी आत्मानंद स्कूल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद स्कूलों के संचालन एवं प्रबंधन हेतु कैबिनेट के निर्णय दिनांक 13 मई 2020 के उपरांत एक समिति का गठन किया गया है, जिसे पंजीकृत भी कराया गया है और यही पंजीकृत समिति स्वामी आत्मानंद स्कूलों का संचालन एवं प्रबंधन करती है, जिसके पदेन अध्यक्ष कलेक्टर होते है, जिसके पदेन सचिव जिला शिक्षा अधिकारी होते है, मुख्य कार्यपालन अधिकारी और आयुक्त नगर पालिक निगम सदस्य होते है।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में दस्तावेज साक्ष्य देकर यह आरोप लगाया है कि राजनांदगांव जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूलों का संचालन डीईओ अभय जयसवाल और सहायक संचालक आदित्य खरे कर रहे है, क्योंकि इन दोनों अधिकारियों के द्वारा ही इन स्कूलों में शासन द्वारा नियुक्त प्राचार्य, व्याख्याओं को हटाया जा रहा है, संलग्न किया जा रहा है, जबकि आत्मानंद स्कूलों को संचालित करने पंजीकृत समिति जिले में निष्क्रिय है, इसलिए कलेक्टर पदेन अध्यक्ष के आंख में धुल झोंककर यह दोनों अधिकारी अध्यापन व्यवस्था के आड़ में गांवों से शिक्षकों को शहरों में ला रहे है और फ़िर उन शिक्षकों से बाबूगिरी और अफ़सगिरी कराया जा रहा है। स्वयं के

अधिकार से छात्रहित के नाम से व्याख्याताओं को पहले शहर के स्वामी आत्मानंद स्कूल में संलग्न किया जाता है, फ़िर वे व्याख्याता उस स्कूल में बच्चों को पढ़ाना छोड़ अन्य स्कूल में किसी अन्य कार्यो मे व्यस्त हो जाते है।

श्री पॉल ने दुर्ग कमिश्नर और संयुक्त संचालक को बताया है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजनांदगांव में एक गिरोह सक्रिय है, जो यह काम कर रहा है और इस गिराह पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज किया जाना जरूरी है, अन्यथा यह गिरोह सुनियोजित ढंग से बच्चों के जीवन व भविष्य के साथ खिलवाड़ करते रहेगा।

श्री पॉल ने डीपीआई को बताया कि शासन के नियमानुसार शासन द्वारा नियुक्त व्याख्याताओं को डीईओ और सहायक संचालक नहीं हटा सकते, बावजूद इसके जिले में दो अधिकारी यह काम कर रहे है,ए और जिले में पदस्थ बड़े अधिकारी अपने स्वामी आत्मानंद स्कूलों में इन दोनों अधिकारियों की मनमानी को रोक नहीं पा रहे है, जो चिंता का विषय है। कलेक्टर, सीईओ और निगम कमिश्नर स्वामी आत्मानंद स्कूलों के पंजीकृत समिति में जिम्मेदार अधिकारी होते है, लेकिन डीईओ और सहायक संचालक इन स्कूलों को मनमाने ढंग से संचालित कर रहे है, जो समझ से परे है कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों को प्रबंध और संचालन करने वाली पंजीकृत समिति कहां है।

जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ, जिला पंचायत सीईओ ने बच्चों को खिलाई कृमि रोधी अल्बेंडाजोल दवा

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में आज राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोचवाय में जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने बच्चों को कृमि रोधी दवा एल्बेन्डाजॉल का सेवन करा कर कार्यक्रम की शुरुआत की।इस दौरान सरपंच निलाम्बर सोम एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी बच्चों को दवा खिलाई।इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार, एनीमिया की रोकथाम,बौद्धिक विकास तथा शाला में बच्चों की उपस्थिति में भी सुधार करना है।राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम अंतर्गत जिला गरियाबंद में 2 लाख 42 हजार 516 बच्चों को दवा सेवन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ.बी बारा ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफ्लतापूवर्क क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा आपसी समन्वय से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों,शासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं,निजी स्कूलों,अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों, तकनीकी शिक्षा संस्थान,आई.टी.आई.पालिटेक्निक कालेज,आश्रम,छात्रावास के बच्चों को कृमिनाशक एल्बेन्डाजॉल की नि:शुल्क गोली खिलाई जायेगी।जिसमें 1 से 2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली एवं 2 से 3 वर्ष के बच्चों को 1 गोली पीस करके एवं 3 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली चबाकर खिलाया जा रहा है। ऐसे बच्चें जिन्हें गोली नही खिलाई गई है,उन्हें मॉप अप दिवस 4 सितम्बर 2024 को खिलाई जायेगी। कार्यक्रम शुभारंभ के अवसर पर डि.एस.ओ.प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक,एपिडेमियोलाजिस्ट,स्कूल प्राचार्य, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक,शिक्षक,सेक्टर सुपरवाईजर,ए. एन.एम.व मितानिन उपस्थिति रहे।

संभागायुक्त कावरे ने जिले के शासकीय कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

कार्यालय संचालन एवं शासकीय कार्यों का लिया जायजा

गरियाबंद (समय दर्शन)। रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे ने आज गरियाबंद जिला मुख्यालय स्थित शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने जिला पंचायत,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय तहसील कार्यालय के विभिन्न कक्षों में पहुंचकर उपस्थिति पंजी,कानूनगो शाखा सहित अन्य शाखाओं में कार्मिकों एवं अधिकारियों के उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। उन्होंने कहा कि उपस्थिति रजिस्टर में अवकाश संबंधित सूचना को नियमित रूप से अपडेट किया जाए।इस दौरान जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,ज्वाइंट कमिश्नर सरिता तिवारी,संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत,राकेश गोलछा,राजिम एसडीएम विशाल महाराणा,संभागायुक्त कार्यालय के अधीक्षक मुन्नालाल ताण्डेय सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संभागायुक्त श्री कावरे ने जिला पंचायत पहुंचकर कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी ली और रजिस्टर का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैशबुक, निर्माण कार्य,उपस्थिति पंजी,का अवलोकन किया। संभागायुक्त ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को कार्यालयों के साफ-सफाई एवं फाईलों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये।साथ ही यह भी निर्देशित किया कि कार्यालय में आने वाले नागरिकों को शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ सरलता से दिलाने का प्रयास किया जाए।जिससे कि नागरिकों को अपने कामों के लिए अनावश्यक परेशानी न हो।संभागायुक्त ने लंबित प्रकरणों का भी शासकीय नियम अनुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम सहित शासकीय योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के लिए निर्धारित समय सीमा की जानकारी कार्यालयों के बाहर समुचित स्थान पर प्रदर्शित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसके अलावा श्री कावरे ने कार्यालय में अधिकारी कर्मचारियों के टेबलों पर पद और नाम प्रदर्शित करने वाली नेमप्लेट लगाने के निर्देश भी दिए।उन्होंने तहसील कार्यालय गरियाबंद का निरीक्षण करते हुए कानूनगो, वित्त,नाजिर शाखा,डब्ल्यूबीएम और रिकार्ड रूम सहित विभिन्न शाखाओं में संधारित पंजियो और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदार न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निपटारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर करने के निर्देश दिये।निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री कावरे ने तहसील कार्यालय में काम के लिए पहुंचे ग्राम मजरकट्टा के श्री दिलीप ध्रुव से बात की। इस दौरान श्री ध्रुव ने बताया कि वे अपने पुत्र के पढ़ाई के लिए आय एवं निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए आये है।इस पर श्री कावरे ने उनके प्रमाण पत्र को नियमानुसार शीघ्र बनाने के निर्देश तहसीलदार को दिये।संभागायुक्त ने विशेष रूप से आय,जाति,और निवास प्रमाण पत्रों को भी समय पर जारी करने पर जोर दिया। उन्होंने सीमांकन, अतिक्रमण, व्यवस्थापन,और नक्शा बटांकन जैसे मामलों में आवश्यक निर्देश दिए,ताकि इन प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा सके।इसके अलावा,श्री कावरे ने वर्कबुक नोट में पंजीकरण कार्यों को उचित तरीके से संचालित करने, पंजियों का संधारण करने के निर्देश भी दिए।

सिकासार जलाशय का जल भराव हुआ 97 प्रतिशत, जलाशय से 7 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। सिकासार जलाशय के कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश से जलाशय का जल भराव 193 मि.घन मी.हो गया है।जो कि जलाशय के कुल क्षमता के 97 प्रतिशत जलभराव है।जलाशय में 27 हजार क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है।जिससे जलाशय का जल स्तर निरंतर बढ़ रहा है।कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग गरियाबंद ने बताया कि बांध सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 29 अगस्त दोपहर 12 बजे से सिकासार जलाशय से 7 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।पानी की आवक में बढ़ोतरी होने पर पानी का डिस्चार्ज बढ़ाया जायेगा।बांध के निचले बहाव क्षेत्रों एवं बाढ़ संभावित इलाकों के लोगों को सतर्क करवाने के लिए एसडीएम गरियाबंद एवं बाढ़ नियंत्रण शाखा को सूचना दी गई है।साथ ही लोगों को भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

राज्यपाल रमेन डेका 30 अगस्त को महासमुंद आएंगे

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका का 30 अगस्त 2024 को महासमुंद आगमन होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्यपाल डेका 30 अगस्त को महासमुंद व सिरपुर प्रवास पर रहेंगे। वे सुबह 10 .30 बजे रायपुर से रवाना होकर 11.30 बजे सर्किट हाउस महासमुंद पहुँचेंगे। दोपहर 12 बजे गवर्नर जिला पंचायत महासमुंद में अधिकारियों की बैठक लेंगे। दोपहर 1.30 बजे वे वापस सर्किट हाउस पहुँचेंगे। राज्यपाल लंच के पश्चात दोपहर 2.30 बजे पुरातत्व नगरी सिरपुर रवाना होंगे। जहाँ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर सिरपुर भ्रमण करेंगे।

नाम परिवर्तन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुनम चंद चन्दानियां आत्मज सचिदानंद उम्र 40 वर्ष, निवासी-पोटियाकला, पुरानी बस्ती, वार्ड नंबर-54, थाना-पुलगांव, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) का हूं। मेरे पुत्र विहान चंदानिया की जन्मतिथि 21.10.2013 है जो कि वर्तमान में नाबालिक है। पूर्व में मेरे पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड में, शैक्षणिक, शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों / दस्तावेजों में त्रुटिवश विहान चंदेल पिता पुनम चंद चंदेल तथा माता का नाम राजकुमारी चंदेल अंकित है अर्थात सरनेम चंदेल है जिसे आगे भविष्य में मैं अपने पुत्र के संपूर्ण अभिलेखों में परिवर्तित / संशोधित नाम विहान चन्दानियां पिता पुनम चंद चन्दानियां तथा माता का नाम राजकुमारी चन्दानियां नाम से जाना, पहचाना एवं पुकारा जायेगा।

अत: शैक्षणिक, शासकीय व अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों एवं दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम विहान चंदेल पिता पुनम चंद चंदेल तथा माता का नाम राजकुमारी चंदेल अंकित है अर्थात सरनेम चंदेल है जिसे आगे भविष्य में मैं अपने पुत्र के संपूर्ण अभिलेखों में परिवर्तित / संशोधित नाम विहान चन्दानियां पिता पुनम चंद चन्दानियां तथा माता का नाम राजकुमारी चन्दानियां नाम लिखना चाहता हूं।

दुर्ग
दिनांक 29.08.2024

पुनम चंद चन्दानियां आत्मज सचिदानंद
निवासी पोटियाकला, पुरानी बस्ती, वार्ड नंबर-54, थाना-पुलगांव, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुनम चंद चन्दानियां आत्मज सचिदानंद उम्र 40 वर्ष, निवासी पोटियाकला, पुरानी बस्ती, वार्ड नंबर-54, थाना-पुलगांव, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं। मेरी पुत्री नित्या चंदानिया कक्षा नवमी की छात्रा है जिसकी जन्मतिथि 06.06.2009 है जो कि वर्तमान में नाबालिक है। पूर्व में मेरी पुत्री का नाम वर्तमान में शैक्षणिक, शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों / दस्तावेजों में त्रुटिवश नित्या चंदेल पिता पुनम चंद चंदेल तथा माता का नाम राजकुमारी चंदेल अंकित है अर्थात सरनेम चंदेल है जिसे आगे भविष्य में मैं अपने पुत्री के संपूर्ण अभिलेखों में परिवर्तित / संशोधित नाम नित्या चन्दानियां पिता पुनम चंद चन्दानियां तथा माता का नाम राजकुमारी चन्दानियां के पश्चात न होकर नाम के आगे है जिसे आगे भविष्य में मैं अपने पुत्री के संपूर्ण अभिलेखों में जन्म प्रमाण पत्र राशन कार्ड आधार कार्ड के आधार पर परिवर्तित / संशोधित नाम नित्या चन्दानिया रख लिया है एवं इसी नाम से जानी, पहचानी एवं पुकारी जाती है।

अत: शैक्षणिक, शासकीय व अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों एवं दस्तावेजों में मेरी पुत्री का नाम वर्तमान में शैक्षणिक, शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों / दस्तावेजों में त्रुटिवश नित्या चंदेल पिता पुनम चंद चंदेल तथा माता का नाम राजकुमारी चंदेल अंकित है अर्थात सरनेम चंदेल है जिसे आगे भविष्य में मैं अपने पुत्री के संपूर्ण अभिलेखों में परिवर्तित / संशोधित नाम नित्या चन्दानियां पिता पुनम चंद चन्दानियां तथा माता का नाम राजकुमारी चन्दानियां जिसे आगे भविष्य में मैं अपने पुत्री के संपूर्ण शैक्षणिक, शासकीय व अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों / दस्तावेजों में जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड के आधार पर परिवर्तित / संशोधित नाम नित्या चन्दानियां पिता पुनम चंद चन्दानियां तथा माता का नाम राजकुमारी चन्दानिया लिखना चाहती हूं।

दुर्ग
दिनांक 29.08.2024

पुनम चंद चन्दानियां आत्मज सचिदानंद
निवासी पोटियाकला, पुरानी बस्ती, वार्ड नंबर-54, थाना-पुलगांव, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय तहसीलदार दुर्ग//

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00040 कसारीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-आरडी 202324430104100148

//ईश्तहार//

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी शाहिद अख्तर पिता/पति-पि.एम.ए. सलीम पता-कसारीडीह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 767/101 (0.0160) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता जैनुल आबदीन पिता/पति-स्व. शाहिद अख्तर पता-केलाबाड़ी सुभाष नगर मस्जिद के पास दुर्ग, सईदा बेगम पिता/पति-स्व.अख्तर पता-केलाबाड़ी सुभाषनगर मस्जिद के पास दुर्ग, फरहीन नाज, जुबेरिया नाज कुददूसी पिता/पति-स्व. शाहिद अख्तर पता-केलाबाड़ी सुभाषनगर मस्जिद के पास दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/09/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया, जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/08/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202408101500087//

मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:-2023-2024, विषय:- अ-6
अ झीट (प ह न. 00015)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार प्यारेलाल साहू.
अनावेदक पक्षकार- छ.ग..

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम झीट प.ह.नं. 15 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदक प्यारेलाल साहू पिता नरोत्तम साहू निवासी ग्राम झीट प.ह.नं. 15 तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा आवेदक के नाम हक एवं स्वामित्व में भूमि ग्राम झीट में स्थित भूमि ख.न. 693/3 रकबा 0.07 हे. भूमि स्थित है ऋण पुस्तिका एव पटवारी अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को विक्रेता पुसउ साहू पिता स्व. चैतू साहू से पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 27.11.2012 को क्रय किये है। क्रय पश्चात् अपने नाम पर प्रमाणीकरण करा कर ऋण पुस्तिका प्राप्त कर लिये है। ऋण पुस्तिका क्रमांक 1650043 है। उक्त भूमि के कम्प्यूटर ऑनलाईन रिकार्ड में त्रुटिवंश रकबा 0.06 है. दर्ज हो गया है। बैनामा एवं ऋण पुस्तिका मे रकबा 0.07 हे. आवेदक द्वारा अपने नाम की उक्त भूमि के कम्प्यूटर ऑनलाईन रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन व दस्तावेज प्रस्तुत किया गया, प्रस्तुत आवेदन आधार एवं अन्य दस्तावेज के अभाव पर प्रकरण पंजी बद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 11.09.2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/08/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार, पाटन
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ईकोर्ट प्रकरण कमांक 202406080800088/अ-6अ/वर्ष 2023-24
ग्राम अगरीकला प.ह.नं. -26

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगमोहन पिता कंवल जाति सतनामी निवासी खुर्सीपार भिलाई तहसील व जिला दुर्ग ने आवेदन पेश किया है कि आवेदक के पिता के नाम कंवल पिता बंठू के नाम स्वामित्व की भूमि ग्राम अगरीकला प0ह0नं0 28 रा0नि0म0 दशरंगपुर तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम में खसरा नंबर 4/4 रकबा 0.203 हे0 व खसरा नंबर 278/2 रकबा 0.057 हे.भूमि स्थित है। आवेदिका के पिता को मृत्यु दिनांक 08.03.2022 को हो चुकी है। उक्त भूमि में वर्णित खसरा नंबर 4/4 रकबा 0.203 हे0 व खसरा नंबर 278/2 रकबा 0.057 हे0 भूमि कम्प्यूटर में ऑनलाईन त्रुटिवश आवेदक के दादी मंगतीन पति कंवल खसरा नंबर 4/4 रकबा 0.405 हे0 व खसरा नंबर 278 रबा 0.194 हे0 प्रदर्शित हो रहा है। आवेदक ने त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त वाद भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी तारीख 09.09.2024 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

नियत तिथि के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 27.08.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलीन की मुहर से जारी किया गया ।

पेशी दिनांक 09.09.2024

मुहर

नायब तहसीलदार
पिपरिया

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क./202408104700029/अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है भिलाई नायर समाज अध्यक्ष सुरेश कुमार पिल्लई पिता-स्व. के.जी. पिल्लई निवासी क्वार्टर नं.-1/ सड़क-3. सेक्टर-02, भिलाई तह. व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा-खम्हरिया, प.ह.नं. -44. रा.नि.मं.-जुनवानी, तहसील व जिला दुर्ग में स्थित खसरा नंबर 38, 47, 48, 69, 71, 72/1, 72/2, 79, 80, 81, 82, 86, 88, 90 रकबा 0.3700, 0.1800, 0.2800, 0.1800, 0.1100, 0.2500, 0.1300, 0.4300, 0.0900, 0.2000. 0.2100, 0.2100, 0.2600, 0.1300 हे. भूमि कुल खसरा 14 कुल रकबा 2.9400 हे. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में भिलाई नायर समाज अध्यक्ष स्व. एस अनिल कुमार पिता-एम.के. एस. पिल्लई के नाम से दर्ज है। जिनक मृत्यु दिनांक 09.04.2021 को हो चुकी है। उनका नाम पटवारी अभिलेख से उनके निधन के पश्चात् उनका नाम विलोपित कर वर्तमान भिलाई नायर समाज अध्यक्ष सुरेश कुमार पिल्लई पिता-स्व. के. जी. पिल्लई है का नाम पटवारी अभिलेख में नाम दर्ज किये जाने फौती नामांतरण आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 09.09.24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 20/08/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक- 20/08/2024
सुनवाई दिनांक- 09.09.2024

मुहर

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)//

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र/202408103000054/अ-6 वर्ष 2023-2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका :- एस. दुर्गारानी रेड्डी पति एस.वी. रेड्डी जाति तेलगू रेड्डी निवासी क्वाटर नं. आर. सी. सड़क-14, सेक्टर- 05 भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा आवेदिका के पुत्र एस. शंकर रेड्डी पिता स्व. एस.वी. रेड्डी एवं शिवाजी सिंह पिता स्व. रामधनी यादव के संयुक्त नाम पर मौजा उतई प.ह.नं. 52 स्थित भूमि खसरा नंबर 927/2 रकबा 0.023 हे. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। पुत्र एस. शंकर रेड्डी पिता स्व. एस. वी. रेड्डी की मृत्यु दिनांक 06.03.2024 को हो चुकी है। जिसकी विवाह नही होने के कारण अविवाहित होने से उसका कोई विधिक उत्तराधिकारी पुत्र पुत्री एवं पत्नि नही है तथा वारिसान के रूप में आवेदिका मृतक की माता एस. दुर्गारानी रेड्डी पति एस.वी. रेड्डी है आवेदिका के अलावा और कोई वारिसान नही है। आवेदिका के पुत्र एस. शंकर रेड्डी आ. स्व. एस.वी. रेड्डी के नाम पर दर्ज अचल संपत्ति से मृतक खातेदार भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने के कारण उसका नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित कर उपरोक्त विधिक वारिसानों के रूप में माता एस. दुर्गारानी रेड्डी पति एस.वी. रेड्डी का नाम दर्ज किये जाने एवं शेष खातेदार शिवाजी सिंह पिता स्व. रामधनी यादव का नाम यथावत् रखे जाने फौती नामांतरण आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20.09.24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.08.24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क./202408104700024/ब-121/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है:- आवेदिका श्रीमती संतोष जैन पति श्री सुभाष चन्द्र जैन निवासी- 59/05, नेहरू नगर पश्चिम भिलाई के द्वारा ग्राम जुनवानी, प.ह.नं.-43 रा.नि.मं. जुनवानी स्थित भूमि खसरा नंबर 60/02 (60/104) का कुछ हिस्सा 61/2 (61/103) में दिखा रहा है। जो कि त्रुटिवश है इस त्रुटि को दूर करने हेतु आवेदिका नक्शा बटांकन करवाना चाहती है। ताकि वास्तविक स्थिति का नक्शा तैयार किया जा सके। अत: भूमि का पुन: माप एवं नक्शा बंटाकन किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 12/09/24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.08.24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया

जारी दिनांक- 14/08/2024
सुनवाई दिनांक- 12/09/2024

मुहर

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय तहसीलदार दुर्ग, जिला दुर्ग//

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र. / अ-6 / वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती सुलोचना दास पति स्व. विष्णु दास एवं अन्य-04, सभी निवासी 12/38 इस्पात नगर रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) तथा नीलम मलिक पति प्रकाशचन्द्र मलिक पिता स्व. विष्णु दास निवासी ओडिसोनदेइगोड़ा, अंदेइओड़ा, जयपुर ओदिसा 755008 विरुद्ध अनावेदकगण 1-छ.ग. शासन, पटवारी हल्का 19 रिसाली, 2-अंकुर जैन पिता स्व. पी.के. जैन एवं अन्य-1 दोनों निवासी 32 फेस-3 रिसाली नगर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली, प.ह.नं.49, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1019/6/2 रकबा 0.002 हे./250 वर्गफीट भूमि को विक्रेतागण अंकुर जैन, अंशय जैन पिता स्व. पी.के. जैन से केता (आवेदिका क्रं. 1 के पति व क्रं. 2-4 के पिता) विष्णु दास पिता नरसिंह दास निवासी इस्पात नगर रिसाली द्वारा पंजीकृत बैनामा दिनांक 09/03/2017 को क्रय किया गया था। उक्त आवेदित भूमि का प्रमाणीकरण क्रेता द्वारा भूलवंश नहीं किया गया है। केता विष्णु दास पिता नरसिंह दास की मृत्यु दिनांक 13/05/2018 को हो चुकी है। उक्त आवेदित भूमि के केता की मृत्यु हो जाने पर प्रमाणीकरण/ फौती दर्ज कर उसके विधिक वारिसान आवेदकगण के नाम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / समिति को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 13/9/24 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा वैद्य अभिकर्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकतें है। नियत अवधि के बाद में प्राप्त आपत्ति, दावा पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23/8/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

चाकू लहराकर आम लोगों का डरा रहा बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव। जिले की थाना बसंतपुर पुलिस ने थानाक्षेत्र में लोहे का चाकू लेकर आने जाने वाले लोगो को डराने धमकाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चाकू बरामद किया है। मामले में आरोपी के खिलाफधारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार थाना बसंतपुर पुलिस को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के नंदई रोड कुंआ चौक के पास रोड किनारे एक बदमाश रूपेश गेंड्रे उर्फमोनु पिता घनश्याम गेंड्रे उम्र 28 साल निवासी नंदई रोड, कुंआ चौक हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी रूपेश को पकड़ा तथा उसके पास से चाकू बरामद किया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ऑनलाईन रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202408100400456, अ-2/2023-24	दिनेश कुमार

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश कुमार अन्य 1 आ. वामन राव निवासी वैशालीनगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- धनोरा प.ह.नं. 45 तहसील व जिला दुर्ग	8669/1	0.027 हे. 3640 वर्गफीट	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ऑनलाईन रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202408100400210, अ-2/2023-24	फेरो मेटल्स पार्टनर अनिल कुमार

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक फेरो मेटल्स पार्टनगर अनिल कुमार आ. के.के. बंसल निवासी वैशालीनगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- बासीन प.ह.नं. 11 तहसील व जिला दुर्ग	657	0.8000 हे. - वर्गफीट	औद्योगिक प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/चार/तीन/सं.क्र.वि./ 2024/ 467/1421 — **भिलाई, दिनांक 29/8/2024**

स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1.	श्रीमती रीति तालुकदार, पति श्री मनोज तालुकदार (एम.के.तालुकदार), निवासी- एम. आई.जी.सी/2303, हाउसिंग बोर्ड, वार्ड नं. 16, औ.क्षेत्र, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ. ग.)	श्रीमती रेणु मिश्रा, पति श्री जुगल किशोर मिश्रा, निवासी- एचआईजी 2183, हाउसिंग बोर्ड, वार्ड नं. 16, औ. क्षेत्र, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं.- 26, हाउसिंग बोर्ड छावनी वार्ड के औ.क्षेत्र छ.ग. गृह निर्माण मंडल भिलाई, मकान नं.- एम.आई.जी. सी/2303(खसरा नं. - 1347), रकबा- 157.50 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
2.	विजय हीरालाल शाह, आ. स्व. हीरालाल शाह, निवासी- 255/23, सिमप्लेक्स कालोनी, मालवीय नगर, दुर्ग, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	ORAPA FOUNDATIONS, पार्टनर ख्वाजा फजलुद्दीन फारूकी, आ. स्व. मोईन उद्दीन फारूकी, निवासी- म.न.-33, वार्ड नं.-48, सेंट्रल जेल के बगल में, आनंद नगर, दुर्ग, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	मोतीलाल नेहरू नगर पश्चिम, वार्ड नं.-03, कोसा नगर भिलाई, भूखंड क्रमांक - 07, ब्लॉक नं.- 20, रकबा- 540 वर्गमीटर, भवन निर्मित।
3.	चौहान हाउसिंग प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी- राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	दिशा सोलंकी, आ. श्री देवेन्द्र कुमार सोलंकी, निवासी- सिनेमा लाईन, अपोजिट-देना बैंक, शंकर वार्ड, भाटापारा, बलोदा बाजार(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, "चौहान पार्क व्यू" वार्ड क्रं.- 01, जुनवानी भिलाई, फ्लैट नं.- 35, चतुर्थ तल, क्षेत्रफल- 1099.97 वर्गफिट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
4.	राजेश तिवारी, आ. श्री आर.के.तिवारी. निवासी- म.नं. सी- 1-74, सूर्या विहार, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती पी.भारती, ध.प.श्री किशोर बाबु, निवासी- म.नं.- 909, स्ट्रीट नं.- 15, वार्ड नं.-11, शान्ती नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड क्र. 02स्मृति नगर वार्ड (चौहान टाउन) भिलाई, खसरा नं.- 252/10, मकान नं.- ए-9, क्षेत्रफल- 2712 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
5.	स्व. ओमप्रकाश शर्मा आ. बिहारी लाल शर्मा, निवासी- म. नं. 20, अयोध्या विहार स्मृति नगर, जुनवानी भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	अमिता शर्मा ध.प. स्व. ओमप्रकाश शर्मा, निवासी- म. नं. 20, अयोध्या विहार स्मृति नगर, जुनवानी भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	वार्ड नं. - 01, जुनवानी पुष्पक नगर अन्दर भाग भिलाई, खसरा नं.- 386/13, रकबा- 1800 वर्गफुट, भवन निर्मित।

उपायुक्त(संपत्तिकर)

संक्षिप्त-खबर

गणेशराम जी वनानी स्कूल में मनाया गया कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

रायपुर (समय दर्शन)। ग्राम अमलीडीह में स्थित गणेशराम जी वनानी स्कूल में कृष्ण जन्माष्ट्मी का पर्व मनाया गया। जिसमें छोटे-छोटे बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में आये थे। श्री कृष्ण की आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई कृष्ण के रूप में तापसी, महक, ने भाग लिया।भूपेन्द्र माही हर्ष गितांशराधा के रूप में कीर्ति बघेल आदि बच्चों ने भाग लिया। मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी रखा गया था। श्रीमती रंगा जीवनानी मैम की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें सब का सहयोग रहा । बच्चों में बहुत उत्साह रहा।

पहंडोर स्कूल में कृमि मुक्ति अभियान की शुरुआत सरपंच ने किया

पाटन (समय दर्शन)। कृमि मुक्ति अभियान के शुरूआत ग्राम पंहंडोर में सरपंच पंहडोर पुरूषोत्तम मढरिया द्वारा मिडिल स्कूल के छात्र छात्राओं को गोली खिलाकर किया गया इस अवसर पर छात्र छात्राओं को जिला मलेरिया अधिकारी सी बी एस बंजारे एंव खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया बी ई ईटीओ शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई 3 सैय्यद असलम बी ईटीओ बी एल वर्मा,श्रीमती चंद्रकांता साहू,एल एच व्ही श्रीमती आर विश्वास की उपस्थिति में कार्यक्रम की मानिटरिग किया गया छात्र छात्राओं को स्कूलों में ,0 से 5 साल के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में ओर शाला त्यागी छात्र छात्राओं को ग्राम में भम्रण कर मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, स्वास्थ्य संयोजिका संयोजक ओर स्कूल के टीचर्स द्वारा कृमि नाशक दवा एलबेंडाजोल खिलाई गई है इस अवसर पर छात्र छात्राओं को कृमि पेट तक कैसे पहुंच सकते हैं उनसे बचने के उपाय बताए गए बी ई ईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि नंगे पैर घुम्ने चलने ओर हाथो को खाना खाने से पहले नहीं धोना,शौच के बाद साबुन से हाथों को नहीं धोना ओर खुले में रखे समान को नहीं खाना चाहिए कृमि से बच्चों के शरीर मैं खून की कमी, एकाग्रता में कमी, मानसिक शारीरिक और बौद्धिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ता है इसलिए सभी को कृमि नाशक दवा एलबेंडाजोल खाना चाहिए।

पिथौरा थानान्तर्गत 02 व्यक्तियों के विरूध्द आबकारी एक्ट के तहत् प्रकरण दर्ज किया गया

पिथौरा (समय दर्शन)। सभी थाना व चौकी प्रभारियों को अवैध शराब निर्माण व बिक्री तथा परिवहन करने वाले के उपर कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया था । जिसके तहत् समस्त थाना व चौकी प्रभारियों व सायबर सेल महासमुन्द की टीम द्वारा अपने क्षेत्र मे लगातार गस्त पेट्रोलिंग कर मुखबिरो को सजग कर अवैध शराब निर्माण व मादक पदार्थ परिवहन पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया था। जिसके परिपालन मे थाना पिथौरा में 02 प्रकरणों में चन्द्रकुमार डडसेना पिता कार्तिकराम उम्र 34 वर्ष सा. सरकडा व चमरू यादव पिता कार्तिकराम उम्र 49 वर्ष सा. ग्राम मेमरा पिथौरा से अवैध शराब जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की गई है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही महासमुन्द की टीम के द्वारा की गई है।

पूर्व सरपंच कामता पटेल बने जिला संगठन के सलाहकार, कोसरिया मरार समाज में हर्ष

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम महुदा के पूर्व सरपंच कामता पटेल को कोसरिया मरार समाज युवा प्रकोष्ठ का दुर्ग जिला में सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति जिला अध्यक्ष ने को है। कामता पटेल के इस नियुक्ति पर समाज के लोगो ने हर्ष जताया है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मे कृष्ण जन्माष्टमी मनाया गया

बसना(समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बसना केन्द्र मे हर्षोउल्लास के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व मनाया गया।

इस अवसर पर बसना सेवाकेंद्र की संचालिका बी के प्रीति दीदी जी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि आज हम श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मना रहे हैं यह पर्व आदिकाल सतयुग से ही चला आ रहा है , श्री कृष्ण के गुणो का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण 16 कला से पूर्ण, संपूर्ण निर्विकार, अहिंसा परमो धर्म:आदि अनेकानेक श्री कृष्ण के गुण है, जो सतयुगी दुनिया मे श्री कृष्ण परमपूज्य देवता हैं । ध्रान साधना मे लीन महिन गुरुओं से प्राप्त ज्ञान से पता चलता है, श्री कृष्ण महान यूग द्रष्टा थे। इस मानव जीवन को सफल बनाने के लिए ध्यान,साधना , समाधि, के माध्यम से उस सत्य की दुनिया में जाने के लिए श्री कृष्ण जैसा गुण धारण करना होगा ।दीदी जी ने कहा कि कलयुग की रात्रि का संपूर्ण रूप से विनाश होगा तो सतयुगी दुनिया में श्री कृष्ण का जन्म होगा। इस संसार को विकारों के वश मे होकर कलयुग हमने ही बनाया है? तो हमें ही अपने श्रेष्ठ वाइब्रेशन से सत्य की दुनिया बनाना होगा।प्रीति दीदी ने सबको श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाइयां व शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात छोटे-छोटे बच्चों द्वारा डांस एवं मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें बहन सेजल ,परी , देव प्रकाश , गीतांश, बुलबुल और अन्य बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मा कुमारीज के हाल में बहुत सुंदर झांकी सजाई गई थी, जिसमें श्री कृष्ण बाल गोपाल के रूप में झूला झूलते हुए बिल गोपाल के रूप मे सजे धजे बच्चे कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे । इस अवसर पर संस्था से जुडे अनेक भाई बहने उपस्थित थे ।

बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा निशुल्क कोंचिंग सेंटर

बसना(समय दर्शन)। बसना से लगभग 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित फुलझर अंचल के एक छोटा सा गांव कायतपाली में ग्रामीण स्तर के छात्र छात्रों के लिए निशुल्क कोचिंग सेंटर की सुविधा प्रारंभ की गयी है।

जहां ग्रामीण स्तर के छात्र छात्राओं को इस पहल हेतू डी एस पी समाज सेवी यदूमणी सिदार ने यह पहल की है।

इस कार्य को देख कर गाँव के लोगों ने भी यथा संभव सहयोग कर रहे हैं । इस कोचिंग सेंटर में तीसरी ,चौथी ,पांचवी तथा मीडिल स्कुल के छात्रों को नि:शुल्क नवोदय,प्रयास,एकलव्य तथा सैनिक स्कुलों में बच्चों को जाने हेतू तैयार किया जा रहा है। समय समय पर हो रहे विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए छात्र छात्रों को विद्यालयीन समय पश्चात नि:शुल्क शिक्षा दी जा रही है । यहां बच्चों को अच्छी स्मार्ट क्लास की विशेष सुविधा दी जा रही है। यहां टीचरों द्वारा स्मार्ट टीवी व प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को पढाई जा रही है। यहां स्मार्ट क्लास के लिए आसपास गांव के अनेक छात्र छात्रायें सुबह के समय पढने आते है। नि:शुल्क स्मार्ट क्लास को लेकर देखने व जानने हेतू भूमी बंधू सामाजिक अध्ययन प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान अंबिकापुर की टीम बुधवार को ग्राम कायतपाली पहुंची । उन्होने गांव आते ही नि:शुल्क कोचिंग सेंटर का जायजा लिया तथा कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत छात्रों से भी मिले, तत्पश्चात प्राथमिक स्कुल तथा माध्यमिक स्कूल जाकर छात्रों से मुलाकात की । अंबिकापुर संस्थान के प्रमुख कोआर्डिनेटर सविता रथ , एडवोकेट कनक रेखा साहू ,मीडीया प्रभारी राजेश गुप्ता ने कोचिंग सेंटर को भेंट स्वरूप ग्लोब एवं विश्व का मानचित्र भेंट किये ।

कोचिंग सेंटर के इस कार्य को देखकर कोआर्डिनेटर सविता रथ ने कहा की सूदूर ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार से सिदार जी द्वारा की गई पहल काफी सराहनीय है।

इसका लाभ अब आसपास के सभी ग्रामीण बच्चों को मिलेगा और अब गांव के पिछडे इलाकों के बच्चे भी नवोदय,प्रयास जैसे स्कुलों में अपना परचम लहरायेंगें और इस गांव से प्रेरणा लेकर आगे अपने संस्थान द्वारा वनांचल क्षेत्र के बच्चों को आगे ला सकेंगें। संस्थान के आये हुए मेहमानों का सफेद गमछा देकर स्वागत सम्मान किया गया । इस अवसर पर मधू सिदार एवं शिक्षकगण प्रधानपाठक दास ,महादेव प्रधान,अगरचंद साव ,दुरबादल साव, ग्रामीण सहयोगी श्रवण सिदार,जयपाल रनबीडा ,दीपक जगत उपस्थित रहे।

एसडीएम रविराज ठाकुर ने किया, गिरदावरी कार्य का औचक निरीक्षण

बसना(समय दर्शन)। अनुविभागीय अधिकारी डॉ. रविराज ठाकुर ने बुधवार को बसना तहसील का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गढ़फुलझर और बरोली गांव में किसानों के खेतों में पहुंच कर पटवारियों द्वारा किए जा रहे गिरदावरी कार्य का औचक निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने वर्तमान फसलों का अवलोकन किया और खसरा नंबर की जांच की।

मौके पर उपस्थित राजस्व निरीक्षक और पटवारी को त्रुटिरहित गिरदावरी कार्य करने के निर्देश दिए। बसना तहसील क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से गिरदावरी कार्य में पटवारियों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। एसडीएम डॉ. रविराज ठाकुर ने क्षेत्र में गिरदावरी कार्य में तेजी लाने के साथ ही निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने का निर्देशित किया।

वहीं एसडीएम ने किसानों से धान की फसल की स्थिति की जानकारी ली। बता दें कि लगातार तीन-चार दिन से हो रही तेज बारिश के कारण फसलों को नुकसान की खबरें आने रही थी। जिसके चलते एसडीएम ने दौरा कर किसानों से चर्चा की। गिरदावरी कार्य के दौरान बसना नायब तहसीलदार ललित सिंग, उद्यानिकी अधिकारी बसना उपेंद्र नाग, कृषि विस्तार अधिकारी बसना हरिशंकर केवर्त, पटवारी गिरिजाशंकर नायक, शुकलाल नायक एवं काफी संख्या में किसान उपस्थित थे।

श्री रामदेव बाबा के भादवा मेला में जम्मा जागरण व भजनों की मचेगी धूम

- पुलगांव नाका नवकार परिसर दरबार में तैयारी अंतिम चरण पर

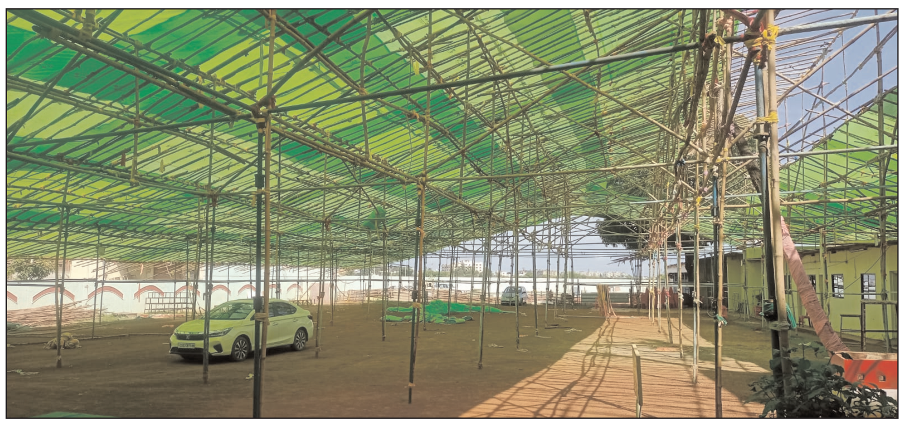

दुर्ग (समय दर्शन)। पुलगांव नाका नवकार परिसर स्थित श्री रामदेव बाबा दरबार में श्री रामदेव बाबा का भादवा मेला धूमधाम से मनाया जाएगा। 4 सितंबर से 13 सितंबर तक आयोजित 10 दिवसीय भादवा मेला में जम्मा जागरण व भजनों की धूम मचेगी, वहीं श्रद्धालुओं को परचों का लाभ भी मिलेगा। यह भादवा मेला चालीसगांव महाराष्ट्र के सोहनलाल बापजी की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में आयोजित किया गया है। भादवा मेला के अंतिम दिन 13 सितंबर को प्रात: 11 बजे हवन-पूजन कर महाआरती की जाएगी,तत्पश्चात महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। भादवा मेला में प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ के अलावा देश के अन्य राज्यों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटते है। फलस्वरुप मेला स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने के लिए भव्य पंडाल निर्माण के अलावा अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी अंतिम चरण पर है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री रामदेव बाबा दरबार समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन (कुंमट) ने बताया कि भादवा मेला की शुरुआत 4 सितंबर से होगी। इस अवसर पर पूरे 10 दिन देश के प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा जम्मा जागरण व भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। 4 सितंबर को भजन गायक गौरव बजाज दुर्ग द्वारा भव्य जम्मा जागरण एवं जन्मोत्सव के भजन, 5 सितंबर को श्री बाबा रामदेव भगत संगम,गंगानगर राजस्थान,6 सितंबर को ऋषभ देशलहरा,नारायणपुर,7 सितंबर को हार्दिक व्यास राजनांदगांव, 8 सितंबर को मयूर मयंक बिंदल डोंगरगढ़,9 सितंबर को महेश, राकेश कोलकाता पश्चिम बंगाल, 10 सितंबर को श्रीमती पिंकी मिनाक्षी कोलकाता पश्चिम बंगाल, 11 सितंबर को रितेश पवार, जोधपुर राजस्थान व 12 सितंबर को गौरव बजाज दुर्ग द्वारा जम्मा जागरण व भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह सभी जम्मा जागरण व भजनों का आयोजन दरबार में प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से शुरु होगा। श्री जैन ने बताया कि भादवा मेला में जम्मा जागरण व भजनों के दौरान श्रद्धालुओं को परचों का लाभ मिलता है। दरबार के प्रति श्रद्धालुओं की अपार आस्था जुड़ी हुई है। जिसकी वजह से श्रद्धालु भादवा मेला में बड़ी संख्या में जुटते है। फलस्वरुप भादवा मेला की तैयारियों में श्री रामदेव बाबा दरबार समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन (कुंमट) के अलावा सदस्य सुश्री पायल जैन,आशीष जैन, महावीर बाफना,प्रवीण पींचा,गौरव बजाज,राकेश धाड़ीवाल,गौतम धाड़ीवाल,मोंटी सोनी, मनीष छाजेड़,संतोष छाजेड़, प्रशांत शर्मा व अन्य सदस्य जुटे हुए है।

पिथौरा गौठान में मवेशियों को टीकाकरण और रेडियम पट्टा लगाया गया

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथोरा नगर पंचायत और पशु चिकित्सा विभाग के द्वारा पिथौरा नगर में स्थित गौठान में मवेशियों को टीकाकरण किया गया। साथ ही साथ नगर पंचायत के द्वारा मवेशियों के गले में रेडियम बांधा गया। बरसात के मौसम में मवेशियों को विभिन्न प्रकार की बीमारियां होती हैं जिनको ध्यान में रखते हुए पशु चिकित्सा विभाग एवं नगर पंचायत के द्वारा टीकाकरण का कार्यक्रम किया गया। शहरी क्षेत्रों में मवेशी सड़क पर घूमते रहते हैं रात में मवेशी दिखाई नहीं देते, जिसके चलते दुर्घटनाएं होती हैं अत: मवेशियों के गले में रेडियम का पट्टा लगाया गया है। जिससे वाहन चालक को मवेशियों के गले मे बंधे रेडियो पट्टा वाहन की रोशनी में चमकती है जिससे सडक मे घूमते व बैठे मवेशी स्पष्ट दिख जायेंगे कि सामने में मवेशी हैं, इस कारण से गले में रेडियम लगाया गया है। इस अवसर पर नगर पंचायत के कर्मचारी एवं पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में खेल दिवस का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीता एस. नायर ने छात्राओं को मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों की जानकारी दी एवं खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा ने खेलों की जीवन का आवश्यक अंग बताते हुए छात्राओं को अधिक से अधिक संख्या में खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि फिरोज अंसारी, संयुक्त सचिव हॉकी इंडिया एवं अध्यक्ष छग हॉकी संघ एवं विशिष्ट अतिथि ललित साहू, उपनिरीक्षक पीटीएस, राजनांदगांव एवं तीरंदाजी कोच राहुल साहू उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीता एस. नायर क्रीड़ाधिकारी द्वारा किया गया एवं उन्होंने खेल को लेकर लोगों की मानसिकता एवं जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने हेतु उचित कदम उठाने पर जोर दिया। साथ ही सभी छात्राओं को शपथ दिलवाया कि अपने आप को स्वस्थ्य रखने के लिए किसी न किसी खेल को अपनाए।

फिरोज अंसारी मुख्य अतिथि ने मेजर ध्यानचंद जी के उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं बताया कि ध्यानचंद जी ने ही राजनांदगांव को हॉकी की नर्सरी का खिताब दिया है। फिरोज अंसारी 2024 में पेरिस ओलंपिक में शामिल हुए थे एवं इसके पूर्व भी 2012 में लंदन ओलंपिक, 2014 में पुरुष वर्ल्डकप हॉलैण्ड, 2018 में महिल वर्ल्डकप एवं 2023 में एशियन गेम्स में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हो चुके है। श्री अंसारी ने छात्राओं को राजनांदगांव में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में मौजूद सुविधाओं के बारे में जानकारी दी एवं अधिक से अधिक छात्राओं को हॉकी एवं अन्य खेलों से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया।

ललित साहू कबड्डी कोच जो विगत् 20 वर्षों से कमला कॉलेज एवं स्कूली छात्राओं को कबड्डी की कोचिंग दे रहे है, उनके द्वारा एवं स्वर्गीय डीडी साहू के द्वारा प्रशिक्षित छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर में छत्तीसगढ़ का नाम रौशन कर चुके है।

डॉ. नीता एस. नायर ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में कमला कॉलेज की कई छात्राएं अंतर विश्व विद्यालयीन एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कार्यक्रम में उपस्थित तीरंदाजी कोच राहुल साहू विगत् कई वर्षों से महाविद्यालय की छात्राओं को तीरंदाजी का प्रशिक्षण दे रही है, उनके मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष महाविद्यालय की छात्राएं अखिल भारतीय स्तर पर चयनित हो रही हैं। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को शॉल, श्रीफल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया एवं अंत में डॉ. जयसिंग साहू द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया।

खेल दिवस के अवसर पर कमला कॉलेज की छात्राओं के बीच रिले रेस एवं बैडमिंट की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बैडमिंटन में प्रथम स्थान आनिया खान बीएससी प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय स्थान गोपेश्वरी साहू बीए द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान में प्रीति तारम बीएससी द्वितीय वर्ष ने स्थान प्राप्त किया, जिन्हें प्राचार्य द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26